सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 304 | जौनपुर, बुधवार, 31 जुलाई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अब परिवहन निगम की बसों में मिलेगी कोरियर और पार्सल सेवा

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार उत्तर प्रदेश में परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों के माध्यम से प्रदेश के लोगों को कोरियरध्पार्सल सेवा की सुविधा प्रदान करने जा रही है। इसके लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम और मेसर्स एवीजी लॉजिस्टिक लि. दिल्ली के मध्य पांच वर्षों के लिए अनुबंध किया गया है। इस व्यवस्था को संचालित करने के लिए 9 सितंबर, 2024 तक आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर लिया जाएगा। इस सुविधा का लाभ परिवहन निगम की साधारण व एसी दोनों प्रकार की बसों में मिलेगा। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि प्रदेश में साधारण व एसी बसों को मिलाकर कुल 11000 बसों का प्रयोग इस सेवा के लिए किया जाएगा। इसमें मुख्य रूप से आगरा, गाजियाबाद, मेरठ, सहारनपुर, अलीगढ़, मुरादाबाद, बरेली, हरदोई, इटावा, कानपुर रीजन में झांसी सम्मिलित है जहां ज्यादा बुकिंग होने की संभावना है। अनुबंध के प्रावधानों का अनुपालन किया जाएगा सुनिश्चित परिवहन मंत्री द्वारा परिवहन निगम के अधिकारियों को अनुबंध में निहित प्राविधानों का शत् प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा है कि यातायात अधीक्षक/ निरीक्षक द्वारा मार्ग में यात्री टिकटों के निरीक्षण के साथ लगेज का भी निरीक्षण कराया जाना सुनिश्चित करें।

आतंकवादी हमले बड़े संघर्ष का रूप ले रहे – फारूक

श्रीनगर, एजेंसी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर में आतंक वादी हमले देश के लोगों के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। उन्होंने आगाह किया कि ऐसी घटनाएं बड़े संघर्ष का कारण बन सकती हैं। अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, "हम चाहते हैं कि दोनों देशों (भारत और पाकिस्तान) के बीच शांति बनी रहे, लेकिन इसके उलट टकराव का माहौल बनाया जा रहा है। हमें डर है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो एक समय ऐसा आएगा जब भारत बर्दाश्त नहीं करेगा और लोग चाहेंगे कि सरकार आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाए।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद बढ़ रहा है क्योंकि उच्च स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त कर आतंकवादी सीमा पार से यहां आ रहे हैं। उन्होंने कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं है कि आतंकवाद बढ़ रहा है... अल्लाह हमें इससे बचाए। हम प्रार्थना करेंगे कि वे (पाकिस्तानी) भी समझदार बनें। मुद्दे इस तरह से हल नहीं हो सकते, वे केवल जटिल हो सकते हैं। हम प्रार्थना करेंगे कि वे शांति की दिशा में काम करें और हम वह दिन देखें।

वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन में लोगों की मौत से दुखी हूं - राष्ट्रपति

वायनाड, एजेंसी। वायनाड हादसे में 44 लोगों के मारे जाने और 100 से ज्यादा के घायल होने की खबर है, हताहतों की संख्या और बढ़ सकती है। हादसे से प्रभावित लोगों के प्रति राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, केंद्रीय गृहमंत्री, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने संवेदनाएं जाहिर की हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पोस्ट किया। उन्होंने लिखा केरल के वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन में लोगों की मौत से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी संवेदना जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि वायनाड में भूस्खलन के कारण हुई मौतों से मैं बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह ने इस पर फिक्र जाहिर की। पोस्ट में लिखा कि वायनाड में भूस्खलन की घटनाओं से मैं बहुत चिंतित हूं। एनडीआरएफ युद्ध स्तर पर राहत और बचाव अभियान चला रहा है। दूसरी टीम अभियान को और मजबूत करने के लिए रवाना हो रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी भाजपा केरल इकाई के कार्यकर्ताओं को दुख की इस घड़ी में हर संभव मदद करने की अपील की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, वायनाड में हुए विनाशकारी भूस्खलन से बहुत दुखी हूं।

जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहा हूं।सभी भाजपा राज्य इकाई के कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वे दिशा–निर्देशों के अनुसार बचाव कार्यों में सहायता करें और संकट में फंसे लोगों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करें। केरल से सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा भूस्खलन की खबर सुनकर स्तब्ध हूं, कई लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत – पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की तरफ से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे याद है, महामारी के समय आप और हम चर्चा कर रहे थे और चर्चा का विषय रहता था– गेटिंग ग्रोथ बैक। तब मैंने आपसे कहा था कि भारत बहुत ही जल्द विकास के पथ पर दौड़ेगा। आज भारत 8 प्रतिशत की रफ्तार से ग्रो कर रहा है। आज हम सभी चर्चा कर रहे हैं– जर्नी टुवर्ड्स विकसित भारत। आज भारत, दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी आर्थिक ताकत है और वो दिन दूर नहीं जब भारत, दुनिया

की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। मैं जिस बिरादरी से आता हूं, उस बिरादरी की पहचान बन गई है कि चुनाव से पहले जो बातें करते हैं, वो चुनाव के बाद भुला देते हैं, लेकिन मैं उस बिरादरी में अपवाद हूं। इसलिए मैं आपको याद दिलाता हूं कि मैंने कहा था कि मेरे तीसरे टर्म में देश, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

अरविंद केजरीवाल की जान खतरे में – सुनीता

नई दिल्ली, एजेंसी। सुनीता केजरीवाल ने 'इंडिया' गठबंधन की रैली में कहा कि भाजपा की राजनीति नफरत और दिल्ली के लोगों का काम रोकने की है, अरविंद केजरीवाल लोगों के लिए लड़ रहे हैं। सुनीता केजरीवाल ने 'इंडिया' गठबंधन की एनडीए के सांसद के झूठे बयान पर ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। जब ट्रायल कोर्ट ने उन्हें जमानत दी तो ईडी अपने वकील के ही भाई की कोर्ट में जाकर जमानत रुकवा दी। फिर सीबीआई ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया। सुनीता केजरीवाल ने कहा

रैली में आरोप लगाया कि भगवान का शुक्र है कि मेरे पति के साथ कोई अनहोनी नहीं हुई। उनकी जान खतरे में है। दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा कि जेल में केजरीवाल जी की शुगर 50 से नीचे चली जाती है जो उनकी जिंदगी के लिए खतरनाक है और एलजी कहते हैं कि केजरीवाल जी जानबूझकर इन्सुलिन नहीं ले रहे हैं। क्या कोई अपनी खुद्द की जान खतरे में डालता है? ये अरविंद केजरीवाल जी को साजिश गिरफ्तार कर, दिल्ली के काम रोकना चाहते हैं क्योंकि वो इनसे लड़कर दिल्ली के लोगों के कामों को करवा लेते हैं। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी की तानाशाह सरकार ने दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन को जेल डालकर रखा है। नरेंद्र मोदी को मैं कहना चाहूंगा कि अगर आप तानाशाह हैं तो हम आप के सिपाही हैं। आज जेल में अरविंद केजरीवाल जी का कई बार 50 के नीचे जा चुका है और वहां उनकी तबीयत के साथ बीजेपी खिलवाड़ कर रही है। लेकिन इसके बावजूद केजरीवाल जी तानाशाह से डर नहीं रहे हैं।

लव-जिहाद पर उम्र कैद, योगी का ऐतिहासिक फैसला

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध (संशोधन) विधेयक, 2024 विधानसभा में पेश किया, जिसमें लव जिहाद मामलों में आजीवन कारावास की कठोर सजा का प्रस्ताव किया गया है। जहां भाजपा ने इस कदम का स्वागत किया, वहीं विपक्ष नाखुश नजर आया और इसे भाजपा द्वारा नकारात्मक राजनीति करने के लिए विभाजनकारी कदम बताया। यह कहते हुए कि उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2021 के तहत मौजूदा प्रावधान अपर्याप्त हैं, योगी सरकार ने मौजूदा विधेयक में संशोधन का प्रस्ताव दिया, जिसमें सजा को अधिकतम दस साल से बढ़ाकर आजीवन कारावास, जमानत देना शामिल है। यूपी सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का भाजपा ने स्वागत करते हुए कहा है कि यह कदम सही दिशा में उठाया गया कदम है। समाचार

एजेंसी आईएएनएस की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि, समाजवादी पार्टी ने इस कदम को ष्विभाजनकारीष् करार दिया, जिसका उद्देश्य समाज में शत्रुता पैदा करना है। यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार सुबह विधानसभा पहुंचते ही संवाददाताओं से कहा कि प्रस्तावित संशोधनों का स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि यह ऐसी प्रथाओं के खिलाफ निवारक के रूप में कार्य करेगा। भाजपा नेता मोहसिन रजा ने कहा कि कानून में संशोधन से अवैध धार्मिक रूपांतरण से निपटने में मदद मिलेगी क्योंकि लव जिहाद के मामलों में वृद्धि हुई है, जहां बहरूपिये किसी लड़की से शादी करने के लिए अपनी पहचान छिपाते हैं और फिर उसे धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते हैं।

दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी ने लव जिहाद से संबंधित मौजूदा कानूनों में संशोधन के प्रस्ताव को लेकर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला बोला।

पार्टी ने कहा कि कानून को और सख्त बनाने की यूपी सरकार की कोशिश नकारात्मक राजनीति के अलावा कुछ नहीं है, जो एक विशेष समुदाय के प्रति भगवा पार्टी की घृणा से प्रेरित है। समाजवादी पार्टी के नेता फखरुल हसन चांद ने कहा कि यूपी में लव जिहाद पर पहले से ही कानून है।

तांत्रिक को बचाने में लगे डीएलडब्ल्यू चौकी इंचार्ज सत्यम तिवारी और उपनिरीक्षक सुरेंद्र कुमार

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। आठ प्रतिशत महीने की दर से लिया गया ब्याज का पैसा वापस करने के बाद भी सूदखोरों द्वारा प्रताड़ित किया जाने एवं तांत्रिक द्वारा दी गयी दवा से पुत्र की मृत्यु के संबंध में न्याय की गुहार लगे मुख्यमंत्री से, मुख्यमंत्री को दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि प्रार्थी अजीत कुमार दुबे पुत्र स्वर्गीय दया शंकर दुबे, पांडेपुर कॉलोनी, भूलनपुर, थाना मंडुवाडीह का निवासी है। महोदय प्रार्थी के घर पर पूजा कराने के नाम पर तांत्रिक विजय कुमार पांडे (दारा नगर, वाराणसी–9839506345) ने दो लाख लिया और बताया कि घर में आत्मा का वास है एक बड़ी पूजा करनी पड़ेगी। कुछ दिन बाद ही मेरे बहु की तबीयत अचानक खराब हो गई और वह बेहोश होकर गिर गई तभी तांत्रिक विजय कुमार पांडे को रात 9:00 बजे फोन करके बुलाया। वह घर आए और बोले कि आपके घर में बुरी आत्मा का वास है इसका ठीक से पूजा नहीं कराया तो कोई बड़ी घटना हो सकती है। महोदय प्रार्थी ने पंडित जी से जब पूजा के खर्च के बारे में पूछा तो उन्होंने कुल खर्च नौ लाख (रू9,00,000) बताया। महोदय जब प्रार्थी ने असमर्थता जताई तो विजय कुमार पांडे ने प्रार्थी को अनिष्ट होने का भय दिखाकर डराने लगे। महोदय दो दिन बाद पंडित जी ने खुद फोन किया और कहा कि यदि आपके पास पैसा नहीं हो पा रहा है तो मैं अपने एक रिश्तेदार से दिलवा दे रहा हूं बाद में आप लौटा दीजिएगा क्योंकि आप अच्छे आदमी है मैं नहीं चाहता कि आपके साथ कुछ बुरा हो। महोदय 13/10/2021 को तांत्रिक विजय कुमार पांडे जी ने तीन लाख रुपया (रू300000) मेरे खाते में डलवाया और छः लाख (6,00,000) रुपया नगद, कुल मिलाकर प्रार्थी को नौ लाख (रू9,00,000) दिया। प्रार्थी जब तांत्रिक विजय कुमार पांडेय को मार्च 2022 में तीन लाख लौटाने उनके घर गया तो विजय पांडे जी ने बताया कि वह पैसा 8: महीने की दर पर दूसरे लोगों से लेकर दिया हूं। विजय कुमार पांडे ने दो लाख रख लिया और बोला कि 2,32,000 अभी तो आज तक का ब्याज है। महोदय प्रार्थी के काफी अनुरोध के बाद भी वह नहीं माने। महोदय प्रार्थी दोबारा जून 2022 में विजय पांडे के पास गया तो बोले कि तुम आज तक का ब्याज दो जुलाई से 6: महीना कर दूंगा। महोदय प्रार्थी के पास कुल 2,30,000 ही थे जिसे देकर प्रार्थी वापस अपने घर चला आया और लगभग हर महीने 35,000 उनके घर जाकर देता था। महोदय इन लोगों ने मुझसे कहा कि जब भी हमारा ब्याज नहीं मिलेगा तो हम फोन पर बोलेंगे की नौकरी भी तक नहीं लगी तो तुम समझ जाना की ब्याज लेकर तुरंत आना है क्योंकि महोदय इन लोगों ने कहा था कि हम लोग ब्याज की बातें फोन पर नहीं करते लोग पैसा तो ले लेते हैं बाद में देते वक्त परेशान करते हैं। महोदय इसी बीच मेरे छोटे पुत्र की तबीयत अचानक से खराब हो गई और वह बेहोश होकर गिर गया इसकी जानकारी जब हम लोगों ने तांत्रिक को दी तो तांत्रिक ने कहा कि आत्मा का साया है एक पूजा रह गई थी हम इसलिए नहीं करा पाए कि आपके पास पैसा ही नहीं था। प्रार्थी दो दिन बाद तांत्रिक जी से संपर्क किया तो तांत्रिक जी बोले कि बहुत पैसा नहीं लगेगा सिर्फ रू30,000 लगेगा और एक जड़ी–बूटी मैं दूंगा जिसका हर महीने का 6,000 लगेगा और वह महीने में दो बार खिलाना है वह कामाख्या देवी का प्रसाद है उससे आत्माएं दूर रहती है। महोदय तांत्रिक द्वारा दिए दवा को मैं अपने बच्चों को नियमित दो दिन देता था उन्होंने अमावस्या और पूर्णिमा पर खिलाता था। यह सारी प्रक्रिया सात महीने चली तभी अचानक एक दिन मेरे बच्चे को खाना खाने के बाद अचानक पेट में दर्द हुआ और उसकी मौत हो गई। हम लोग कुछ समझ नहीं पाए जब अस्पताल गए तो डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हॉस्पिटल में रात को ही तांत्रिक जी आए और बोले की आत्मा बहुत खतरनाक है यह आपके घर में सबको मार डालेगी। उसके बाद फिर तांत्रिक विजय ने मेरे घर पर पूजा पाठ करवा। इस पूजा के विषय में पड़ोस एवं रिश्तेदार सभी लोग जानते है। पूजा के बाद मेरी पत्नी ने एक दिन अचानक कहा कि तांत्रिक जी जो दवा दिए थे वह था क्या, तो मैं भी नहीं समझ पाया और जब तांत्रिक जी के पास पूछने गया तो वह बोले कि सिद्धि करने के बाद वह दवा कामाख्या जी से आई थी लेकिन आत्मा का प्रभाव इतना ज्यादा था कि आपका बच्चा बच न सका और तांत्रिक ने बचा हुआ दवा ले लिया और बोला कि यह दावा 18,000 का है इसका पैसा तुम ब्याज में घटा लेना तुम दुखी हो तुम्हारा कुछ और पैसा कम करवा दूंगा। महोदय 17/09/2023 को मेरे 21 वर्ष के पुत्र (शिवांशु दुबे की अकस्मात मृत्यु हो गई। उसके बाद भी तांत्रिक प्रताड़ित करके अपने रिश्तेदारों से फोन कर धमका कर ब्याज ले रहे थे। इसी बीच अवधेश पाठक (ओबरा, सोनभद्र –09264969316) ने फोन किया जो कि तांत्रिक विजय के रिश्तेदार हैं, हमने सुना है कि आप बहुत परेशान हैं आपके बच्चे की मृत्यु हो गई है आइये बैठकर पूरा हिसाब बना लेते हैं और पैसे का किस्त बना दे रहे हैं आप चेक दे दीजिए, किस्त

में पैसे को लौटा दीजिएगा अब आपको ब्याज नहीं देना पड़ेगा। महोदय प्रार्थी अपने पुत्र प्रियांशु के साथ 21/07/2024 को ओबरा गया जहां विनोद के घर पर मौजूद विनोद (ओबरा, सोनभद्र–06307165578) उनके पुत्र नितिन, अवधेश पाठक दो अन्य लोगों ने प्रार्थी को मारा पीटा और असलहा सटाकर दो स्टंप पर प्रार्थी से लगभग चालीस लाख के बकाए की लिखा–पढ़ी करवाई और प्रार्थी से कई चेक पर हस्ताक्षर करवा के लिए जिस पर कोई नाम अंकित नहीं किया और ना ही धनराशि लिखवाई और बोला कि या तो 40 लाख दो या अपना घर मेरे नाम रजिस्ट्री करो। यदि एक महीने में ऐसा नहीं करोगे तो तुम्हें और तुम्हारे परिवार को पुलिस केस में फंसा देंगे और तुम्हारे घर की औरतों को भी जेल भिजवा देंगे। महोदय प्रार्थी और प्रार्थी के पुत्र को। विनोद, अवधेश पाठक और दो अन्य लोगों ने कमरे में बंद कर दिया था और मोबाइल भी छीन लिया था रात 7रू00 बजे अवधेश पाठक ने फोन से तांत्रिक विजय कुमार पांडे के पन्नी (सारिका–9506506345) के फोन पर विजय से बात कराया जिस पर विजय ने बोला कि सब चेक ले लो हस्ताक्षर करवा कर उसके बाद इसको जाने देना। महोदय उन लोगों ने प्रार्थी से चेक हस्ताक्षर करवा लिये (चेक नंबर– 268742,268743, 268744, 268745,268747,268748, 268749 और 268751) वहीं कुछ चेक निकालने में फट गया जिसे अवधेश ने रख लिया। महोदय प्रार्थी इन व्यक्तियों से काफी डरा हुआ है। प्रार्थी तथा प्रार्थी के परिवार के साथ कभी भी कोई बड़ी घटना हो सकती है।

महोदय कल ज्ञात हुआ है कि तांत्रिक विजय कुमार पांडे ने प्रार्थी को फसाने के लिए मंडुवाडीह थाने पर मनगढ़ंत प्रार्थना पत्र देकर प्रार्थी से पैसे की वसूली करना चाहता है। महोदय प्रार्थी ने अब तक कुल 15 लाख 40 हजार लौटा दिया है फिर भी वह 40 लाख मांग रहे हैं। अतः महोदय से निवेदन है कि प्रार्थी के विरुद्ध हुए अपराध का मुकदमा पंजीकृत कर इस बात की जांच कराएं कि प्रार्थी के पुत्र को कौन सी दवा दी गई थी जिसके चार महीने के सेवन के पश्चात ही प्रार्थी के पुत्र की मृत्यु हो गई।

राष्ट्रहित का राजनीतिकरण न करें – जेपी नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हाल ही में एक संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) की प्रभावशीलता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह पहली बार था जब भारत में ग्रामीण सड़क विकास के लिए एक व्यापक और अचूक योजना शुरू की गई थी। राज्यसभा में केंद्रीय बजट पर बोलते हुए नड्डा ने कहा कि 60 साल पहले, जब नेहरू लगातार 3 बार चुनाव जीते, तो देश में आजादी का उत्साह था और उनका मुकाबला बेहद कमजोर विपक्ष से था। हालांकि, 2024 में, मोदी जी ने एक मजबूत विपक्ष के खिलाफ अपना तीसरा कार्यकाल जीता। यह जनादेश स्थिरता, निरंतरता, सुशासन और विकसित भारत के विकास के लिए है। नड्डा ने आगे कहा कि इस बार का बजट सर्वसमावेशी है। ये सतत विकास और आर्थिक लचीलापन का बजट है। आज दुनिया के विकसित देशों की आर्थिक स्थितियां डगमगा रही हैं, लेकिन हम मबवदवउपब तमेपसपमदबम के साथ कोविड महामारी के बाद मजबूती के साथ खड़े हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस बजट के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र बुनियादी ढांचे का विकास, तकनीकी नवाचार, सामाजिक कल्याण और सभी के लिए समान अवसर हैं। यह दूरदर्शी बजट है जो विकास को गति देने वाली नीतियों को गति देगा। यह बजट सभी का ख्याल रखता है। उन्होंने कहा कि यह बजट व्यापक और आर्थिक सामाजिक विकास को समर्पित है। इस बजट की प्राथमिकता है– बुनियादी ढांचे का विकास, तकनीकी नवाचार, समाज कल्याण। ये बजट पासपोर्ट समान अवसर पद वाला है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इसके बाद आप बजट की कितनी ही बातें कर लो, वो देश के लिए कितने हित का था, वो समझ आ जाता है। आंकड़ों से देश नहीं चलता है, लीक प्रूफ व्यवस्था के साथ सेंज उपसम कमसपअमतल नतंदबम जरूरी है। इसलिए मोदी जी ने डीबीटी को डिजिटल इंडिया बनाया और डीबीटी के माध्यम से 37 लाख करोड़ रुपये देश के आम नागरिकों के बैंक खाते में सीधे भेजे गए। जेपी नड्डा ने कहा कि रिसाव प्रमाण और अंतिम मील वितरण आश्वासन जरूरी है, लेकिन लंबे समय तक जो लोग देश पर राज कर रहे हैं, वे इस ओर ठोस कदम नहीं उठा पाते हैं। इस कारण से बातचीत और लाइक का नहरा रिश्ता बना हुआ है। एक समय तो ऐसा था, जब प्रधानमंत्री ने कहा था कि मैं एक रुपया भेजता हूं, 85 पैसे के बीच में ही खत्म हो जाता है, 15 पैसे ही उनमें से एक है। उन्होंने कहा कि कई बार लोग कहते हैं कि मिडिल क्लास का क्या हुआ? उजाला योजना के तहत वितरित एलईडी बल्ब के कारण 20 हजार करोड़ रुपये का बिजली बिल कम हुआ और 47.7 मिलियन किलो वाट ऊर्जा बचाई गई।

नड्डा ने कहा कि उसी तरह सौभाग्य योजना के तहत 2 करोड़ 60 लाख घरों को बिजली का कनेक्शन दिया गया। आवास योजना के तहत 4 करोड़ घर हम बना चुके और मोदी 3.0 की पहली कैबिनेट में फैसला किया गया कि हम 3 करोड़ अतिरिक्त नए घर बनाएंगे। जल जीवन मिशन के तहत 11 करोड़ से अधिक जल कनेक्शन दिए गए और प्ड दंदहसतवतम का कहना है कि करीब 2 करोड़ रोजगार सिर्फ जल जीवन मिशन से सृजित होंगे।

संपादकीय

राहुल गांधी के बेतुकें तर्क

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में राहुल गांधी जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। प्रश्न है कि कब राहुल गांधी इस महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए उसके साथ न्याय करेंगे? वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा–नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने महाभारतकालीन चक्रव्यूह और पद्म व्यूह का सहारा लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधना चाहा है। जिस तरह से उन्होंने बजट पूर्व हलवा परम्परा में वित्तमंत्री के साथ खड़े लोगों को जाति आधारित संरचना बताया वह कहीं से भी तार्किक नहीं लगता। इस सेरेमनी में तो उस वक्त मंत्रालय के जो सीनियर अफसर होते हैं, वे ही मौजूद रहते हैं। इसमें जातिवाद कहाँ से आया? यह बात समझ से परे है। यही वजह है कि हलवा परम्परा की जब राहुल गांधी अपनी तरह से विवेचना कर रहे थे, तब वित्त मंत्री ने माथा पकड़ लिया था। राहुल गांधी ने जो तुलनाएँ की, वे निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है। स्मंकमत व जीम व्यचवेपजपवद तैनस ळंदकीप लोकसभा में आम बजट पर चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपना पुराना आरोप नए सिरे से दोहराया कि बजट बनाने वालों में कोई एससी–एसटी और ओबीसी अधिकारी नहीं होता, उससे यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वह समाज को बांटने वाली विभाजनकारी राजनीति पर अड़े हैं। इस तरह की बेतुकी बातें करते हुए वे क्यों नहीं समझना चाहते कि ऐसी स्थिति और इस तरह की परम्परा कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों के समय से ही चली आ रही है। कांग्रेस ही इसकी जिम्मेदार हैं, लेकिन वह कुछ समझने के लिए तैयार ही नहीं। राहुल गांधी एक तरह से यह कहना चाह रहे हैं कि अनारक्षित वर्गों के अधिकारी आरक्षित वर्गों के हितों की उपेक्षा करते हैं। इस तरह वे देश की परम्पराओं एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के समझे बिना ऐसा कुछ कह जाते है जो देश की एकता, अखण्डता एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विपरीत होता है। राहुल के बोलने का बचकानापन तो कभी–कभी सारी हदें पार कर जाता है। एक बार तो उन्होंने यहां तक कह दिया हैं कि उच्च जाति के शिक्षक प्रश्नपत्र बनाते हैं, इसलिए आरक्षित वर्ग के छात्र फेल हो जाते हैं। आखिर यह भड़काऊ राजनीति नहीं तो और क्या है? राहुल गांधी ने बजट पर सरकार को घेरने के लिए महाभारतकालीन घटनाओं का उल्लेख करते हुए यह भी कह डाला कि जैसे अभिमन्यु को चक्रव्यूह में घेर लिया गया था, उसी तरह देश को भी मोदी सरकार ने घेर रखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री समेत जिन छह लोगों को इस घेराबंदी के लिए जिम्मेदार ठहराया, उसमें अंबानी–अदाणी के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को भी शामिल कर लिया। उन्होंने दावा किया है कि भारत पर कब्जा करने वाले चक्रव्यूह के पीछे तीन ताकतें है– पहली एकाधिकार पूंजी का विचार, जिसमें दो लोगों को देश की समूची संपत्ति का मालिक बनने की अनुमति देना। दूसरा देश की संस्थाएं, एजेंसियां, सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग हैं एवं तीसरी राजनीतिक कार्यप्रणाली है। इन तीनों ने मिलकर देश को तबाह कर दिया है। इस तरह के बयानों एवं बोलों से स्पष्ट है कि वह मनमाने और बेतुके तर्क देने में संकोच नहीं कर रहे हैं। वह अपनी ऐसी बातों से चर्चा में तो आ जाते हैं और उनके समर्थक उनकी वाह–वाही करने में भी जुट जाते हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह न तो समाज को कोई सही दिशा दे पा रहे हैं और न ही सरकार को कोई सार्थक सुझाव। यह स्थिति देश के लिये नुकसानदायी है, चिन्तनीय है। राहुल गांधी के रुख–रवैये एवं अतिश्योक्तिपूर्ण तर्कों से यही लगता है कि वह अभी भी चुनावी मुद्रा में हैं। अपनी चुनाव पूर्व की आक्रामकता से वे उपरत नहीं हो पाये हैं। वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। आखिर वह जो कुछ मोदी सरकार से चाह रहे हैं, उसे कांग्रेस संगठन और साथ ही अपने दल द्वारा शासित राज्य सरकारों में क्यों लागू नहीं कर रहे हैं? क्या मोदी सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक रखा है? उन्हें बताना चाहिए कि कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में बजट बनाने में आरक्षित वर्गों के कितने अधिकारियों की हिस्सेदारी होती है? वह मोदी शासन की तरह मीडिया में भी आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व का प्रश्न भी कई बार उठा चुके हैं, लेकिन यह देखने को तैयार नहीं कि आखिर उनके परिवार के प्रभुत्व वाले मीडिया संस्थान में इन वर्गों के कितने लोगों की हिस्सेदारी है? लोकसभा की कार्रवाई कांग्रेसी एवं विपक्षी सांसदों के वाक आउट, हंगामे, अनर्गल बहस की भेंट चढ़ रही है। विपक्षी अपनी सार्थक भूमिका का निवर्हन करने की बजाय लगातार सत्तापक्ष को घेरने एवं आरोप–प्रत्यारोप की घटिया राजनीति में लगा है। जिससे सरकार को कुछ भी हासिल नहीं हुआ। देश भी इन त्रासद घटनाओं से कुछ हासिल नहीं कर पा रहा है। आखिर सरकार करे, तो क्या करे? उसने हर सत्र के शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठकें करके देख ली। दोनों सदनों के अध्यक्ष और उप–सभापति ने बारंबार समझा–समझाकर सहयोग की अपील कर ली।

प्रतिस्पर्धी संघवाद की ओर आसन्न संक्रमण

आदित्य

हाल ही में केंद्रीय बजट ने अंतर–सरकारी राजकोषीय संबंधों के ढांचे में सहकारी संघवाद से प्रतिस्पर्धी संघवाद की ओर बदलाव का संकेत दिया। वित्त मंत्री ने उत्पादन के सभी कारकों– भूमि, श्रम, पूंजी और निवेश पर संरचनात्मक सुधारों की शुरुआत करके इष्टतम श्कुल कारक उत्पादकताश प्राप्त करने के लिए प्रतिस्पर्धी संघवाद के महत्व की घोषणा की और राज्यों से इन सुधारों पर भारी काम करने का आग्रह किया। यह पूंजीगत व्यय पर बजट के जोर के अतिरिक्त है– इस अर्थ में कि उच्च राजकोषीय घाटा और ऋण केंद्र और राज्य स्तर पर पूंजी निर्माण को मजबूत करने और श्उत्पादन अंतरालश को कम करने से निकटता से जुड़ा हुआ है। इसमें पूंजीगत बुनियादी ढांचे के निवेश के लिए राज्यों को लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का हस्तांतरण भी शामिल है। सहकारी संघवाद मुख्य रूप से अंतर–सरकारी कर हस्तांतरण के माध्यम से काम करता है, जो बिना शर्त प्रकृति का होता है। भारत में, हस्तांतरण एक वैज्ञानिक सूत्र पर डिजाइन किया गया है। इसमें शामिल मानदंड जनसंख्या, आय दूरी, क्षेत्र, जलवायु परिवर्तन, जनसांख्यिकीय संक्रमण और कर प्रयास हैं। हस्तांतरण वित्त आयोग, एक संवैधानिक निकाय के माध्यम से होता है। बिहार और आंध्र प्रदेश ने सामाजिक–आर्थिक पिछड़ेपन, प्राकृतिक आपदाओं की प्रवृत्ति और सीमित वित्तीय स्थान के आधार पर विशेष श्रेणी का दर्जा मांगा। हालांकि, उपलब्ध वित्तीय स्थान को देखते हुए सरकार के लिए उनकी मांग को पूरा करना मुश्किल होगा। यह एक बैंडवैगन प्रभाव भी पैदा कर सकता है – ओडिशा सहित अन्य राज्य भी इस तरह के दर्जे की अपनी मांग को मजबूत कर सकते हैं। बजट में इन चिंताओं की छाया थी। गठबंधन की राजनीति ब्वंसपजपवद चवसपजपबे को देखते हुए इसे कैसे हल किया जाए? आदर्श रूप से, 16वां वित्त आयोग मौजूदा 41 प्रतिशत से कर हस्तांतरण के स्तर को बढ़ाकर इस मुद्दे से निपट सकता है। सब्सिडियरी सिद्धांत के अनुसार, सबसे अच्छे निर्णय लोगों के सबसे करीबी सरकार के स्तर पर लिए जाते हैं। संविधान की अनुसूची 7 के अनुसार, महत्वपूर्ण कार्य उप–राष्ट्रीय स्तर पर सौंपे जाते हैं, जबकि गतिशील कर केंद्र के पास होते हैं। यह अंतर–सरकारी राजकोषीय तंत्र में ऊर्ध्वाधर और

क्षैतिज असंतुलन पैदा करता है। इसलिए, वित्त आयोग जैसी संस्थाओं को इन असंतुलनों को देखने के लिए संवैधानिक रूप से अधिकृत किया गया है। उपकर और अधिभार में असंगत वृद्धि के कारण विभाज्य कर पूल में भारी कमी को देखते हुए, मैं 16वें वित्त आयोग से विनियोग की मात्रा को लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का आग्रह करता हूँ, क्योंकि इसमें कोई भी कमी 'राजकोषीय जलबोर्डिंग' के समान हो सकती है। अंतर–सरकारी राजकोषीय संबंधों में उपयोग किए जाने वाले मानदंडों में दक्षता बनाम समानता के बारे में बहस चल रही है। जिन राज्यों ने अपनी आबादी को नियंत्रित किया है और आर्थिक विकास को मूर्त रूप दिया है, उन्हें दंडित किया जा रहा है, क्योंकि 'समानता' से संबंधित मानदंडों को महत्वपूर्ण महत्व दिया जाता है। राज्यों ने इन मामलों में अपनी सौदेबाजी बढ़ा दी है। ऋण–घाटे की गतिशीलता राज्य स्तर पर, ऋण और घाटे की गतिशीलता को फिर से स्पष्ट किया गया है और राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 3.5 प्रतिशत पर बनाए रखने की आवश्यकता है। 3 प्रतिशत घाटे की सीमा से ऊपर, यदि राज्य बिजली क्षेत्र में सुधार करते हैं, तो उन्हें 0.5 प्रतिशत तक अतिरिक्त उधार लेने की अनुमति है। राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम की धारा 4 के अनुसार, सामान्य सरकारी ऋण सकल घरेलू उत्पाद के 60 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता है, जबकि राज्यों का सार्वजनिक ऋण 20 प्रतिशत है। महामारी के बाद राजस्व अनिश्चितताओं और बढ़ती वैश्विक मुद्रास्फीति, ऊर्जा संकट, जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति पक्ष में व्यवधान, युद्ध और अन्य भू–राजनीतिक अनिश्चितताओं के रूप में बहुसंकट को देखते हुए, केंद्र और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं के माध्यम से ऑफ–बजट उधार के रूप में श्छिपे हुए ऋणश में लगे हुए हैं। भारत को इन छिपे हुए ऋण घटकों को पकड़ने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की उधारी आवश्यकता पर समय श्रृंखला डेटा का निर्माण करना बाकी है। स्वर्णिम राजकोषीय नियम शून्य राजस्व घाटा होना है। इस बजट में, राजस्व घाटा 2023–24 में 2.5 प्रतिशत से घटाकर 2024–25 में 1.8 प्रतिशत कर दिया गया है। उच्च राजस्व घाटा यह संकेत देता है कि सार्वजनिक व्यय में कोई भारी कटौती नहीं की गई थी, यह देखते हुए कि राजस्व प्राप्तियाँ उछाल भरी थीं। प्रतिस्पर्धी संघवाद की ओर कनाडाई अर्थशास्त्री अल्बर्ट ब्रेटन ने प्रतिस्पर्धी संघवाद पर विस्तार से लिखा है। वह अन्य इकाइयों को अनुकरण करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए किसी क्षेत्राधिकार या प्रांत को 'बेंचमार्किंग' करने के महत्व का वर्णन करते हैं। हालाँकि, भारत जैसे उभरते राष्ट्र में प्रतिस्पर्धी संघवाद ढांचे में बेंचमार्किंग के ये तंत्र अस्पष्ट हो सकते हैं। कुछ राज्यों को तरजीही समर्थन के साथ बेंचमार्क करने से पहले से ही कटुतापूर्ण केंद्र–राज्य संबंधों में दरारें और बढ़ सकती हैं। बजट में कुछ राज्यों के लिए मनमाने ढंग से राजकोषीय घोषणाएँ उनकी व्यय आवश्यकताओं से निपटने में दूसरा सबसे अच्छा सिद्धांत हो सकती हैं। राज्यों की व्यय आवश्यकताओं और कर हस्तांतरण हस्तांतरण को संबोधित करना बजट के दायरे से बाहर है। बजट 2024–25 की राजनीतिक अर्थव्यवस्था सम्मोहक है। राजकोषीय नीति को उदार बनाए रखने के लिए सीमा अनुपात के संदर्भ में राजकोषीय नियमों की पुनः अभिव्यक्ति महत्वपूर्ण है।

दिल्ली कोचिंग सेंटर हादसे की जांच जरूरी

अजय

भारत में शिक्षा कोचिंग के दुष्चक्र में फंसे छात्र छात्राओं द्वारा हर साल आत्महत्याओं की बात नई नहीं है, लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में एक नामी कोचिंग सेंटर की इमारत के बेसमेंट में पानी भरने से तीन भावी आईएएस बनने के इच्छुकों का बेमौत मारा जाना दरअसल तीनों की समूचे असंवेदनशील तंत्र द्वारा की गई हत्या है। इस घटना ने पहली बार यह मुद्दा शिद्दत से उठाया है कि आखिर छात्रों के भी मौलिक अधिकार हैं और उनकी हर हाल में रक्षा की जानी चाहिए। दरअसल, मानवीय गरिमा से रहित माहौल में रहकर किसी परीक्षा को पास कर लेना भी अपने आप में नैतिक अपराध है। ऐसी ही एक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र अविनाश दुबे ने देश के सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश डी. वाय. चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर गुहार की है कि वो छात्रों के मौलिक अधिकारों को संरक्षित करें। यह अधिकार स्वस्थ वातावरण में जीते हुए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का है। हालांकि, देश में छात्रों के कुछ मौलिक अधिकार तो पहले से हैं। ये है शिक्षा का अधिकार, समान व भेदभाव रहित अवसरों का अधिकार, सूचना व निर्भीक अभिव्यक्ति का अधिकार। लेकिन शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इन अधिकारों में स्वस्थ और तनाव रहित वातावरण में अध्ययन का अधिकार भी शामिल हो गया है। यह मुद्दा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि गिने– चुने कोचिंग संस्थानों को छोड़ दें तो अधिकांश में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लाखों छात्र किन हालात में जी रहे हैं, किस तरह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें बुनियादी सुविधाएं भी ठीक से मुहैया हैं या नहीं, इन पर शायद ही किसी का ध्यान जाता हो। खुद छात्रों और उनके अभिभावकों का ध्यान भी ज्यादातर इसी बात पर रहता है कि बच्चे का किसी तरह अच्छी नौकरी अथवा शिक्षा संस्थान में सिलेक्शन हो जाए बाकी बातें गौण हैं। कुछ दिनों की तकलीफ है। अंत भला तो सब भला। वो इस बात को भी दरकिनार कर देतें हैं कि कोचिंग संस्थान मोटी फीस लेने के बदले कैसी सेवाएं दे रहे हैं। ये कोचिंग संस्थान केन्द्र सरकार की उस गाइड लाइन का पालन कर भी रहे हैं या नहीं, जो ऐसे कोचिंग संस्थानों में आधारभूत सुविधाएं तथा सेवाएं देने के लिए बनाई गई हैं। हालांकि इसमें वो मानसिक दबाव शामिल नहीं है, जिसके कारण हर साल कई बच्चे बीच कोचिंग में ही आत्महत्या कर न केवल खुद की जीवन लीला समाप्त कर लेते हैं बल्कि उन मां बाप को भी जीवन भर का जख्म दे जाते हैं, जो किसी तरह पेट काटकर अपने लाडले या लाडली को कुछ बनाने के लिए मुंह मांगा पैसा खर्च करते हैं।

शिक्षा और कोचिंग सेंटर्स का कारोबार

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग का कारोबार और इसके पीछे का मनोविज्ञान भारत में अब एक विशाल उद्योग और कारोबार का रूप ले चुका है। कोचिंग भी मुख्यतरू दो तरह की होती है। पहली नौकरियों की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तो दूसरी श्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए। ये सिलसिला शिक्षण संस्थान में प्रवेश से लेकर अच्छी नौकरी पाने तक जारी रह सकता है। देश में आज 68 हजार 118 रजिस्टर्ड कोचिंग संस्थान चल रहे हैं और इनमें हर साल करीब 3 लाख छात्र कोचिंग लेते हैं। अनरजिस्टर्ड कितने हैं, इसकी जानकारी नहीं है। राजस्थान का कोटा शहर सबसे बड़ा कोचिंग हब है, जहां 146 कोचिंग सेंटर हैं। कोचिंग संस्थान छात्रों को परीक्षा पास कराने के लिए अपने यहां अच्छे ट्यूटर, पेपर सॉल्व करने की तकनीक, विषयवार अध्यापन, मॉक इंटरव्यू आदि आयोजित करने का दावा करते हैं। ये तस्वीर पेंट की जाती है कि उनके यहां एडमिशन लेने पर जन्नत का द्वार खुल जाएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं के नतीजे आने के तत्काल बाद अखबारों में कोचिंग संस्थानों के बड़े–बड़े विज्ञापन छपते हैं, जिसमें सफल छात्रों की तस्वीरें और रैंक छापकर नए क्लायंट्स को आकर्षिक किया जाता है। ये कोचिंग में ऑन लाइन और ऑफलाइन दोनों होती हैं। ऑफ लाइन विद्यार्थियों के रहने के लिए होस्टल, मेस तथा लायब्रेरी सुविधा होने का भी दावा किया जाता है। लेकिन हकीकत में ये सुविधाएं कहां और कितनी गुणवत्तापूर्ण होती हैं, यह बड़ा सवाल है। कई जानकारों का मानना है कि अगर स्कूल कॉलेजों में अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाए तो कोचिंग संस्थानों की अमरबेल पनप ही नहीं सकती। लेकिन वो एक अलग कहानी है। एक अनुमान के अनुसार आज भारत में कोचिंग उद्योग आज 58 हजार करोड़ रू. का है, जो 15 फीसदी सालाना की दर से बढ़ रहा है। अगले चार सालों में इसके 1.33 लाख करोड़ रू. का हो जाने की संभावना है। कारण वही कि ज्यादा से ज्यादा लोग सरकारी नौकरी और बेहतर शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेना चाहते हैं, क्योंकि यही सुरक्षित भविष्य की गारंटी है। हालांकि इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि कोचिंग उद्दयोग करीब 10 लाख लोगों को रोजगार भी दे रहा है। इन सबके बावजूद दिल्ली की घटना शायद अपने आप में पहली ऐसी हिला देने वाली घटना है, जिसमें जिसमें एक किताबघर ही मौत के घर में तब्दील हो गया हो। इस भयंकर हादसे में जान गंवाने वाले तीनो विद्यार्थी श्रेया यादव, तान्या सोनी और नेविन डेल्विन अपने– अपने राज्यों से दिल्ली इस उम्मीद में आए थे कि वो कोचिंग लेकर यूपीएससी की कठिन परीक्षा पास कर आईएएस बनेंगे। लेकिन सिस्टम की लापरवाही ने उनके सपनो पर पहले ही गंदा पानी फेर दिया। आश्चर्य की बात तो यह है कि दिल्ली के राजेन्द्र नगर में जिस प्रतिष्ठित राउज आईएएस कोचिंग सेंटर में यह सब हुआ, उसे देश का पहला कोचिंग सेंटर माना जाता है। इसकी स्थापना 1953 डॉ. एस राव ने राजनीति विज्ञान की कोचिंग के रूप में कनाट प्लेस में की थी। बाद में यहां यूपीएससी परीक्षा की तैयारियों की कोचिंग भी शुरू हुई।

अलगाववाद की ओर झुकाव

संजय

किसी राजनीतिक दल के सदस्यों का किसी विषय पर अलग–अलग स्वर में बोलना पार्टी के भीतर लोकतंत्र का प्रतीक नहीं है। यह भ्रम और अनिर्णय की ओर इशारा कर सकता है। बंगाल के विभाजन से संबंधित कई प्रस्तावों पर भारतीय जनता पार्टी के भीतर से उठ रहे विरोधाभासी स्वर इस विवादास्पद विषय पर पार्टी में सामंजस्य की कमी की ओर इशारा करते हैं। बंगाल भाजपा इकाई के प्रमुख सुकांत मजूमदार ने दावा किया है कि उन्होंने उत्तर बंगाल के आठ जिलों को पूर्वोत्तर परिषद में शामिल करने के पक्ष में तर्क देते हुए प्रधानमंत्री को एक प्रस्ताव सौंपा है। हालांकि, तब से मजूमदार बचाव की मुद्रा में हैं और कह रहे हैं कि वे राज्य के किसी भी तरह के क्षेत्रीय बदलाव के खिलाफ हैं। लेकिन कई अन्य नेता भी इस सुर में सुर मिला रहे हैं। बेहरामपुर से पार्टी के एक विधायक ने अब कहा है कि मुस्लिम आबादी वाले कई जिलों का प्रशासनिक नियंत्रण केंद्र के पास होना चाहिएय इससे पहले उनके एक साथी ने कहा था कि उन्होंने केंद्र को पत्र लिखकर छह जिलों वाले मुस्लिम बहुल केंद्र शासित प्रदेश के गठन पर विचार करने का आग्रह किया था। इन विवादास्पद प्रस्तावों में एक बात आम है कि वे राज्य से अल्पसंख्यकों की अच्छी–खासी संख्या वाले क्षेत्रों को अलग करना चाहते हैं। यह भाजपा की चुनावी रणनीति और उसके सदाबहार विभाजनकारी दृष्टिकोण के अनुरूप है। आखिरकार, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को, जैसा कि चुनावों ने बार–बार दिखाया है, मतदाताओं के इस वर्ग से काफी समर्थन प्राप्त है। लेकिन भाजपा के अंदरूनी मतभेदों ने भी इस मांग को बढ़ावा दिया हो सकता है। ऐसी अफवाहें हैं कि भाजपा की बंगाल इकाई आने वाले महीनों में बड़े पैमाने पर संगठनात्मक फेरबदल करने जा रही है। इसलिए पार्टी के नेता तीखी बयानबाजी करते हुए नजर आने के लिए उत्सुक हैं – भड़काऊ विचार भाजपा की खासियत हैं – क्योंकि वे पदों के लिए होड़ कर रहे हैं। विभाजन के रक्तरंजित इतिहास और 1905 में अविभाजित बंगाल को विभाजित करने के औपनिवेशिक प्रयास के प्रति बंगाल के जोशीले प्रतिरोध को देखते हुए, क्षेत्रीय अलगाववाद की बात करना राजनीतिक जोखिम से भरा है। मुख्य विपक्षी दल की ओर से इस तरह के तर्क से टीएमसी को अगले विधानसभा चुनाव से दो साल पहले मतदाताओं को एकजुट करने के लिए एक मजबूत हथियार मिलने की संभावना है – खासकर दक्षिण बंगाल में। इस रास्ते पर चलकर, राज्य भाजपा के कुछ हिस्सों ने न केवल अपनी राजनीतिक समझदारी की कमी को उजागर किया है, बल्कि लोकसभा चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पार्टी के फिर से संगठित होने के प्रयास को भी खतरे में डाल दिया है। ध्रुवीकरण के मुद्दों की खोज के अलावा, खुद को निशाना बनाना बंगाल में भाजपा की विरासत बनी हुई है।

खुद से बात करने की एक अनोखी कला

विवेक

अथक जीवनशैली और असीमित अलगाव के युग में, व्यक्ति अक्सर अकेलापन महसूस कर सकता है, लेकिन फिर भी, एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण से, व्यक्ति कभी अकेला नहीं होता। यह कोई विरोधाभास नहीं है अगर हम उस एक ध्वनि के बारे में सोचें जिसे हम हमेशा सुनते हैं, या जिसे सुनने से खुद को रोक नहीं पाते। हमारी आंतरिक आवाज हमारी निरंतर साथी है, जो हमारे बहुआयामी जीवन के हर पल में हमारा साथ देती है। हमारे विचारों की मूक कथाकार, यह आवाज हमारी धारणाओं को आकार देती है, हमारी भावनाओं को प्रभावित करती है और हमारे कार्यों का मार्गदर्शन करती है हालाँकि, कभी–कभी, यह आंतरिक आवाज नियंत्रण से बाहर हो सकती है और हमें प्रतिकूल गंतव्यों तक ले जा सकती है। इसलिए, इस आंतरिक आवाज से बात करना और इसे आत्म–प्रतिबिंब और व्यक्तिगत विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण में बदलना एक कला है, एक ऐसी कला जिसके बारे में शायद ही कभी सीधे तौर पर बात की जाती है, लेकिन एक ऐसी कला जो आत्म–साक्षात्कार के खजाने को खोल सकती है। आइए विश्लेषण करें। महत्व सबसे पहले, हमारी आंतरिक आवाज के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। यह न केवल हमारी आत्म–छवि को प्रतिबिंबित करने वाले दर्पण के रूप में कार्य करता है, बल्कि एक ऐसे कारक के रूप में भी कार्य करता है जो हमारे आत्म–सम्मान, आत्मविश्वास और समग्र कल्याण को गहराई से प्रभावित करता है। यह हमारे विश्वासों, मूल्यों और आकांक्षाओं में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जिससे हमें खुद को गहराई से समझने में मदद मिलती है। साथ ही, यह हमारे अकथनीय भय और चिंताओं के लिए एक माध्यम बन जाता है और इन अप्रिय लेकिन सार्वभौमिक रूप से अनुभव की जाने वाली भावनाओं के प्रसंस्करण की अनुमति देता है। इसलिए, जागरूकता और करुणा के साथ अपनी आंतरिक आवाज को सुनकर, हम सीमित विश्वासों की पहचान कर सकते हैं, आत्म–संदेह को दूर कर सकते हैं और अधिक सकारात्मक और सशक्त मानसिकता विकसित कर सकते हैं। इसका एक सामाजिक आयाम भी है, क्योंकि हमारी आंतरिक आवाज दूसरों के साथ हमारे संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह प्रभावित करती है कि हम अपने आस–पास के लोगों के साथ कैसे संवाद करते हैं, सहानुभूति रखते हैं और जुड़ते हैं। एक सकारात्मक और दयालु आंतरिक संवाद का पोषण करके, हम दूसरों के साथ दया, सहानुभूति और समझ के साथ संबंधा बनाने की अपनी क्षमता को बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा, हमारी आंतरिक आवाज हमारे लक्ष्य–निर्धारण प्रक्रिया का मार्गदर्शन करती है और उन लक्ष्यों को प्राप्त करने की हमारी क्षमता में हमारे विश्वास को आकार देती है। जब हमारी आंतरिक आवाज सहायक और आशावादी होती है, तो यह चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमारी प्रेरणा और दृढ़ संकल्प को बढ़ावा देती है। अपनी सफलताओं का जश्न मनाकर, असफलताओं से सीखकर और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखकर, हमारी आंतरिक आवाज हमारी आकांक्षाओं को प्राप्त करने की हमारी क्षमताओं में हमारे आत्मविश्वास को मजबूत करती है। इसलिए, आपकी आंतरिक आवाज एक शक्तिशाली उपकरण है जो चीजों को बनाने या बिगाड़ने के लिए प्रासंगिक है। नतीजतन, खुद से सकारात्मक और रचनात्मक तरीके से बात करने की कला में महारत हासिल करना महत्वपूर्ण है। किसी को अपनी आंतरिक आवाज को समझने से शुरुआत करनी होगी। इसे सरल शब्दों में कहें तो, आपकी आंतरिक आवाज विचारों, विश्वासों और आत्म–चर्चा की निरंतर धारा है जो पूरे दिन आपके साथ रहती है। यह आपकी अंतरतम भावनाओं, भय, इच्छाओं और असुरक्षाओं को दर्शाती है। इसलिए, अपनी आंतरिक आवाज को समझने में जागरूकता, या अपने विचारों के स्वर, सामग्री और पैटर्न पर ध्यान देना शामिल है। उदाहरण के लिए, आप इस बात पर ध्यान दे सकते हैं कि आपकी आंतरिक आवाज कब उत्तेजित होती है और कब शांत होती है और इस पर विचार करें। अच्छी बातें अगला कदम अपनी आंतरिक आवाज को समझने से प्राप्त ज्ञान का उपयोग अच्छी चीजों को अधिकतम करने और बुरी चीजों को कम करने के

लिए करना है। उदाहरण के लिए, यदि आपकी आंतरिक आवाज अधिकार के लोगों के सामने उन्मत्त हो जाती है, तो आपको सचेत रूप से और दृढ़ता से सुनिश्चित करना चाहिए कि अगली बार जब आप ऐसी संस्थाओं का सामना करें तो आपकी आंतरिक आवाज शांत रहे। इसका उदाहरण सकारात्मक आत्म–चर्चा है, जिसमें नकारात्मक, आत्म–पराजित विचारों को उत्थान और सशक्त बनाने वाले विचारों से बदलना शामिल है। उदाहरण के लिए, यह कहने के बजाय कि, ष्मैं कभी भी अच्छा नहीं हो पाऊँगा,ष आप इसे इस तरह से बदल सकते हैं कि ष्मैं सीखने में सक्षम हूँ।ष सचेत रूप से सकारात्मक पुष्टिकरण चुनकर और उनके माध्यम से अपनी आंतरिक आवाज को नियंत्रित करके, आप अपने मस्तिष्क को बाधाओं के बजाय अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए फिर से तैयार कर सकते हैं। इसके अलावा, एक और बड़ी जरूरत आत्म–करुणा विकसित करना है। आत्म–करुणा, जब सरल शब्दों में परिभाषित की जाती है, तो इसमें खुद के साथ उसी दयालुता और समझ के साथ व्यवहार करना शामिल होता है, जैसा आप कठिनाइयों का सामना कर रहे किसी मित्र के साथ करते हैं। कथित असफलताओं या कमियों के लिए खुद की कठोर आलोचना करने के बजाय, अपनी मानवता को स्वीकार करके और अपूर्णता को स्वीकार करके आत्म– करुणा का अभ्यास करें।

डायट जौनपुर में हुआ भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जनपद जौनपुर में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ तथा मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम उपस्थित रहे स कार्यक्रम की शुरुवात मां सरस्वती जी का दीप प्रज्वलित करके तथा प्रशिक्षुओं द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से किया गया।जिला अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कहा कि यह कार्यक्रम कवि सभाजीत द्विवेदी प्रखर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया है ,जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए कवियों के द्वारा अपनी अपनी रोचक प्रस्तुति दी गई। इस प्रकार के कवि सम्मेलन का आयोजन समय समय पर सभी शिक्षण संस्थानों में होना चाहिए ,इससे बच्चों में आगे अच्छा करने की प्रेरणा जागृत होती है । उपशिक्षा निदेशक/प्राचार्य डायट जौनपुर द्वारा बताया गया कि डायट में जिलाधिकारी महोदय के निर्देशन में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया ,इससे हमारे प्रशिक्षुओं को प्रेरणा मिलेगी और उनके अंदर एक सकारात्मक सोच विकसित होगी ।उन्हें अपने जीवन में अच्छा करने की प्रेरणा मिलेगी । ऐसे कार्यक्रम का आयोजन डायट में समय समय पर होता रहता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर पी.सी. विश्वकर्मा ,डीन आफ लॉ पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने किया ।कार्यक्रम में लालजी यादव ,श्री दुक्खू लाल निडर ,श्री मंजुल ,प्रीति पांडे ,एवं अशोक मिश्र ,डायट के प्रशिक्षुओं आदि कवियों ने अपनी कविता प्रस्तुत किए तथा अपनी कविता से डायट परिसर के श्रोतावों को ओत– प्रोत कर दिया। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा विभाग से बी.एस.ए, लेखा अधिकारी, एस.आर.जी, ए.आर.पी तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग से जिला विद्यालय निरीक्षक तथा माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य, डायट के समस्त प्रवक्ता, समस्त कर्मचारी, ह्यूमाना के सभी सदस्य तथा समस्त प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर गलत वीडियो वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर जनपद अयोध्या व श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर अयोध्या की छवि को धूमिल करने के लिये गलत वीडियो वायरल करने में जुटे थे।जिसके चलते राम नगरी से लोगों का मोह भंग हो रहा था। जिसका मुकदमा रामजन्म भूमि थाना मे दर्ज था। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना राम जन्मभूमि देवेन्द्र मिश्र ने आरोपी को हिरासत में लेकर जेल भेजा। इस बात का खुलासा बुधवार को एसएसपी राज करन नय्यर ने पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में किया। उन्होंने बताया कि धार्मिक/जातिगत, विद्वेषपूर्ण पोस्ट करने के सम्बन्ध मे थाना राम जन्मभूमि पर पंजीकृत अभियोग के सम्बन्ध में थाना राम जन्मभूमि जनपद अयोध्या पुलिस द्वारा उक्त आरोपी को जेल भेजा गया।

बाल निकुंज में चल वैजयंती दी बेस्ट क्लास अवार्ड से नवाजे गए कक्षाध्यापक एवं बच्चे

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। बाल निकुंज इंटर कॉलेज गर्ल्स विंग, मोहिबुल्लापुर सीतापुर रोड ,लखनऊ स्थित शिवसहाय जी सभागार में आज दिनांक 31.7.2024 को ष्चल वैजयंती दी बेस्ट क्लास अवार्डष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बाल निकुंज की सभी पांचो शाखाओं के चयनित 15 कक्षाओं के कक्षाध्यापकों एवं उस कक्षा के विद्यार्थियों को कॉलेज प्रबंध निदेशक एच.एन. जायसवाल द्वारा ष्ट्राफी एवं एक–एक हजार नकद धनराशि का पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। दी बेस्ट क्लास का अवार्ड पाने वाले कक्षाध्यापकों में बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी अलीगंज शाखा से कक्षा 1 की आराधना भारती, कक्षा 4 की महिमा अग्रवाल और के. एम. मिश्रा कक्षा12 को सम्मान मिला। बाल निकुंज इंग्लिश स्कूल पलटन छावनी अलीगंज से कक्षा पी जी की अर्चना गुप्ता, कक्षा 3–ब की सपना सिंह और कक्षा 10 के श्री पारस शुक्ला को सम्मानित किया गया। बाल निकुंज इंटर कॉलेज गर्ल्स विंग से कक्षा 5–ए की शाहाना कुरैशी , कक्षा–9–ब की रेखा मिश्रा और कक्षा 12 के राम निवास शुक्ला को सम्मान मिला। बाल निकुंज इंटर कॉलेज बॉयज विंग से कक्षा के जी–ससडी की शशि त्रिपाठी , कक्षा 4–ब की अमिता गुप्ता, कक्षा 6–ए की उर्मिला गौतम और कक्षा 10–ए के उस्मान अली को सम्मानित किया गया। बाल निकुंज विद्यालय डे बोर्डिंग शाखा से कक्षा–2 की अर्चना वर्मा और कक्षा–4 की अंजू दुबे को सम्मान मिला। इसी के साथ–साथ बाल निकुंज स्कूल्स एंड कॉलेजेज की सभी शाखाओं से चयनित दी बेस्ट इंचार्ज के लिए बाल निकुंज इंटर कॉलेज बॉयज विंग की जूनियर कक्षाओं की इंचार्ज अंशु मिश्रा को रू1000 की नगद धनराशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्रबंध निदेशक एच एन जायसवाल, सुधीर मिश्रा कोऑर्डिनेटर व सभी शाखाओं के प्रधानाचार्य , इंचार्जेस एवं शिक्षक–शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस द्वारा भारी बारिश होनें के बावजूद बारिश में खड़े होकर भरपूर प्रयास कर यातायात का सुगम संचालन कराया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। जनपद लखनऊ में भारी बारिश तथा जल भराव होनें तथा वाहनों की अधिक संख्या होनें के कारण यातायात पुलिस द्वारा मुख्य चौराहाधतिराहों से लगातार विडियों प्राप्त कर लगातार नजर रखी गयी तथा अतिरिक्त पुलिस बल, रेसर मोबाईल तथा स्थानीय थाना पुलिस की मदद से यातायात का सुगम संचालन कराया गया। किसी भी स्थान पर यातायात दबाव की सूचना प्राप्त होनें पर यातायात नियंत्रण कक्ष द्वारा तत्काल रेसर मोबाईल तथा स्थानीय पुलिस से समन्वय स्थापित कर यातायात को सामान्य कराया गया, यातायात पुलिस द्वारा भारी बारिश होनें के बावजूद बारिश में खड़े होकर भरपूर प्रयास कर यातायात का सुगम संचालन कराया गया।

अवैध रुप से संचालित कोचिंग सेंटर पर शिक्षा विभाग ने कसा शिकंजा

अयोध्या। दिल्ली में आईएएस कोचिंग में दुर्घटना के बाद अयोध्या जनपद में भी विकास प्राधिकरण व शिक्षा विभाग सतर्क हो चुका है।बुधवार को सुबह जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार आर्य शहर में अवैध रुप से संचालित कोचिंग सेंटर पर निरीक्षण करने निकले।निरीक्षण के दौरान तीन कोचिंग पाई बिना रजिस्ट्रेशन के पाई गई।जिसमें कमी पाये जाने पर तीन कोचिंग संचालको पर एक एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।वही दो कोचिंग संस्थान के संचालकों को बंद करने का निर्देश दिया।जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ राजेश कुमार आर्य ने बताया अवैध रुप से संचालित कोचिंग में शामिल शहर की नामी गिरामी कोचिंग फिजिक्स वाला कोचिंग साकेतपुरी देवकाली,रेंजोनेंस कोचिंग सेंटर साकेत पुरी व उत्कर्ष अकादमी रायबरेली रोड पर पाई गई।जिसके चलते इन कोचिंग के संचालकों के ऊपर उन्होंने एक एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।वही इसके अलावा आरवीएस कैंपस कोचिंग जगत हास्पिटल नाका व पीआरओ रीडर्स लाइब्रेरी प्रकाश लान के सामने नारायण हास्पिटल के बगल उसरु मे अवैध रुप से संचालित कोचिंग सेंटर को तत्काल बंद करने का आदेश दिया।यह कार्रवाई आगे भी चलती रहेगी। उन्होंने बताया कि जनपद में सभी ब्लाकों में स्थित राजकीय इंटर कालेज के प्रधानाचार्य नोडल अधिकारी बनाये गये है।जो अपने अपने क्षेत्र में कोचिंग संस्थानों की जांच कर डीआईओएस कार्यालय को रिपोर्ट सौंपेंगे।

सवायजपुर में नवागत एस डी एम ने संभाला कार्यभार'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' जिलाधिकारी एम0पी0 सिंह ने सोमवार को सवायजपुर एसडीएम डॉ अरुणिमा श्रीवास्तव का स्थानांतरण तहसील सवायजपुर से तहसील सण्डीला कर दिया।और उनके स्थान पर तहसील सदर से अतिरिक्त मजिस्ट्रेट धीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव को तहसील सवायजपुर की जिम्मेदारी सौंपी है। नवागत उपजिलाधिकारी धीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को सवायजपुर तहसील मुख्यालय पहुँच कर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत कड़े तेवर दिखाते हुए उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप वह प्रतिदिन अपने कार्यालय में बैठकर जन समस्याओं को सुनकर त्वरित न्याय दिलाना और फरियादियों की समस्याओं का निराकरण कराना उनकी पहली प्राथमिकता होगी जिससे पीड़ित को उनके यहाँ से न्याय मिल सके। और कोई भी फरियादी निराश होकर न जाये।साथ ही उन्होंने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि पीड़ित व्यक्ति की समस्या का समाधान तत्काल करें। यदि किसी संबंधित कर्मचारी ने पीड़ित व्यक्ति की समस्या समाधान में लापरवाही की तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा कि यदि कोई किसी भी प्रकार की तहसील स्तर से संबंधित समस्या हो तो उन्हें मिलकर बेहिचक अवगत कराएं।उस समस्या का समाधान शीघ्र किया जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे और सरकारी जमीनों को कब्जा मुक्त कराया जायेगा इसके लिए राजस्व की टीम गठित कर अभियान चलाया जायेगा।

बलिदानियों को समर्पित बलिदानी वंदन कार्यक्रम सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। देश भारती पब्लिक स्कूल राजाजीपुरम में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जयन्ती श्रृंखला के कार्यक्रम एवं देश के शहीदों को समर्पित 10 दिवसीय कार्यक्रम बलिदानी वंदन का समापन किया गया किया इस अवसर पर स्वामी विवेकानन्द सभागार का उद्घाटन किया भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्रबंधक एवं राष्ट्रीय कवि वेद व्रत वाजपेयी ने दीप प्रज्ज्वलित् कर एवं सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया ।उक्त अवसर पर यू पी बोर्ड परीक्षा 2023–24 में जिन छात्रों 75: से अधिक अंक अर्जित किये है उन्हें उनके माता पिता सहित सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में संस्था के विद्यार्थियों ने अपने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। उपरोक्त अवसर पर वाद विवाद प्रतियोगिता , कवितावादन , भाषण आदि भी विद्यार्थयों द्वारा प्रस्तुत की गई । स्वामी विवेकानंद को समर्पित स्वामी विवेकानंद हाल का उद्घाटन फीता काट कर किया गया। जश्न ए आजादी समिति के अध्यक्ष एवं समाजसेवी मुरलीधर आहूँजा संस्था की अध्यक्ष साधना वाजपेयी डा० राकेश मिश्रा , गुड्डू मिश्रा , गीता राठौर दीपू यादव , इंचार्ज रेखा मिश्रा सुशीला परिहार , संतोष सिंह , पारुल मिश्रा , सभी शिक्षकगण , अधिकारिगण अभिभावक एवं छात्रों आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही , संस्था के प्रबंधक वेद व्रत वाजपेयी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युवा अगर स्वामी विवेकानंद के पदचिह्नों पर चल उन्हें अपना आदर्श मन ले तो इस देश को पुनः सोने की चिड़ियाँ बनने से कोई नहीं रोक सकता , स्वामी विवेकानंद और उनका व्यक्तित्व एक संत स्वरूप है और संत सदैव ही पूजनीय हैं। संस्था के प्रधानाचार्य जय व्रत वाजपेयी ने बताया कि देश भारती स्कूल अपने प्रत्येक कार्यक्रमों में शहीदों का पूजन वंदन सदैव करता रहा है जिसके फलस्वरू विद्यालय के प्रत्येक छात्र में उनके व्यक्तित्व के प्रति सम्मान दिखायी देता हैं। अततः कार्यक्रम में आए सभी सम्मानित जनों का संस्था के उपप्रबंधक मनु व्रत वाजपेयी ने धन्यवाद ज्ञापित किया । कार्यक्रम का समापन सभी को मिष्ठान वितरित कर किया।

आईएएएम, स्वीडन के निदेशक डा. आशुतोष तिवारी होंगे दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 28 वें दीक्षांत समारोह के आयोजन हेतु बुधवार को कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में आयोजन समिति के संयोजकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई. कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने समिति के संयोजकों से बिन्दुवार प्रगति की जानकारी ली. बैठक में कुलपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मैटेरियल्स, आईएएएम,स्वीडन के निदेशक डॉ. आशुतोष तिवारी होंगे. डॉ तिवारी एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक हैं.

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का 28 वा दीक्षांत समारोह18 सितम्बर को आयोजित होगा. इसके लिए समिति के संयोजक अपने कार्यों को समयबद्ध तरीके से करते रहे. दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है.

समीक्षा बैठक में कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि दीक्षांत समारोह से जुड़े सभी कार्य प्राथमिकता पर किये जाए . समय– समय पर राज भवन से मिले दिशा दृ निर्देशों के अनुरूप हमें अपनी तैयारी करना होगा .

विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए 51 समितियों का गठन किया गया है. विगत सत्र में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची एवं गोल्ड मेडल की जिम्मेदारी प्रो अविनाश पाथर्डीकर को, गतिमान पत्रिका प्रकाशन के लिए जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो मनोज मिश्र को संयोजक बनाया गया है. पीएचडी उपाधि धारकों को समय से सूचना देने की जिम्मेदारी उप कुलसचिव बबिता सिंह को दी गई है. दीक्षांत समारोह में आमंत्रित अतिथियों की सूची तैयार कर निमंत्रण भेजने की समिति का संयोजन उप कुलसचिव अजीत प्रताप सिंह करेंगे. मेडल एडवाइजरी समिति का संयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो अजय द्विवेदी को बनाया गया गया. राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व समन्वयक प्रो. राकेश यादव को दीक्षांत समारोह के पूर्व गोद लिए गए गावों तथा आगनबाडी केन्द्रों की आपसी प्रतियोगिता कराने की जिम्मेदारी दी गई है. दीक्षांत समारोह में उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को आमंत्रित का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव करेंगे. इसके साथ ही अन्य समितियां भी बनाई गई है. जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, प्रो मानस पाण्डेय, प्रो अजय द्विवेदी, उप कुलसचिव अजीत कुमार सिंह, अमृत लाल, बबिता सिंह, प्रो अविनाश पाथर्डीकर, प्रो संदीप सिंह, प्रो. देवराज, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो सुरजीत यादव, प्रो. राज कुमार सोनी, प्रो गिरिधर मिश्र, डॉ प्रमोद कुमार यादव, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ अमित वत्स, डॉ. लक्ष्मी मौर्या, डॉ पी के कौशिक, राज नारायण सिंह समेत समिति के संयोजक उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राम अक्षयवर चौहान की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), द्वारा जिला आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया गया कि शराब की समस्त दुकानों को खाद्य अनुज्ञप्ति से आच्छादित कराना सुनिश्चित करें तथा मण्डी सचिव को निर्देशित किया गया कि नवीन मण्डी स्थल शीतला चौकिया जौनपुर को क्लीन एण्ड फ्रेश फ्रूट एण्ड वेजिटेबल मार्केट सर्टिफिकेट से आच्छादित कराये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को निर्देशित किया गया कि आगामी त्यौहार रक्षाबन्धन एवं श्रावण मास के दृष्टिगत कावड़ियों के आवागमन मार्ग पर स्थित मिठाई की दुकानों, कैण्टीन एवं ढ़ाबों का निरीक्षण करते हुए साफ–सफाई की व्यवस्था के साथ–साथ स्वच्छ भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करायें। बैठक में समिति के समस्त सदस्य तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के समस्त अधिकारी गण उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने के लिए मिशन मोड में करना होगा काम – मुख्य चिकित्सा अधिकारी

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) राष्ट्रीय क्षय(टीबी) उन्मूलन कार्यक्रम(एनटीईपी)के तहत बुधवार को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत विषय पर स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में एचसीएल फाउंडेशन द्वारा रीच संस्था के सहयोग से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुयी। जनपद में टीबी उन्मूलन की स्थिति के बारे में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रोहताश कुमार ने प्रकाश डालते हुए बताया कि जनपद में टीबी के कुल 11,845 मरीज हैं जिसमें में 12 फीसद 18 साल से कम आयु के हैं। टीबी की जाँच के लिए तीन सीबीनॉट मशीन हैं। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के तहत सभी ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करना है जिसके लिए हमें मिशन मोड में काम करना होगा ।जिला क्षय रोग अधिकारी ने डा. शरद वैश्य ने बताया कि एचसीएल फाउंडेशन द्वारा रीच संस्था के सहयोग से जनवरी माह से टीबी एलिमिनेशन एवं डिमोंस्ट्रेशन प्रोजेक्ट चल रहा है । प्राथमिकता के आधार पर 300 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने का प्रयास किया जायेगा । वर्तमान में अहिरौरी और संडीला में यह परियोजना चल रही है जहाँ टीबी के कुल 764 मरीज हैं । इन ब्लाक में क्षय रोग सम्बन्धी भ्रांतियों को दूर करने, टीबी की दवाओं का नियमित सेवन करने एवं मरीजों को पोषण एवं भावनात्मक सहयोग देने के उद्देश्य से 16 टीबी चौम्पियन काम कर रहे हैं । 763 टीबी मरीजों को गोद लिया गया है । जनवरी से अब तक 2681 टीबी मरीजों को पोषण पोटली दी गयी है । कुल 409 सामुदायिक बैठकें आयोजित कर लोगों को जागरूक किया गया है । टीबी के संभावित लक्षणों वाले 784 मरीजों को टीबी की जाँच के लिए भेजा गया है । जिनमे से 34 में टीबी की पुष्टि हुयी है । टीबी मरीजों के परिवार के कुल 485 देखभालकर्ताओं की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण दिया गया है । एचसीएल फाउंडेशन के पुनीत शर्मा द्वारा परियोजना के बारे में विस्तार से बताया गया। रीच फाउंडेशन की राज्य स्तरीय कंसल्टेंट मुक्ता शर्मा ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के बारे में विस्तार से बताया । पंचायतों को टीबी मुक्त करने के लिए किन मानकों को पूरा किया जाना है और उसके लिए किन प्रक्रियाओं को पूरा किया जाना है । इस विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। इस मौके पर हर विकासखंड के एनटीईपी स्टाफ द्वारा अपने दृअपने विकासखंड की ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने की कार्ययोजना बनायी गयी । इसके साथ ही पैनल डिस्कशन किया गया जिसमें टीबी चौम्पियंस ने अपने अनुभव साझा किये ।इस मौके पर एनटीईपी के जिला कार्यक्रम समन्वयक महेंद्र, पीपीएम उपदेश, हरनाम सिंह, सभी सीएचसी अधीक्षक, सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाईजर(एसटीएस), एचसीएल फाउंडेशन के ग्रुप ऑपरेशन हेड योगेश कुमार, जयशंकर राय, सेक्टर लीड डा. अभिनव पाण्डेय, फैक अल्वी, डा. भाव्या, अमन खान, रीच संस्था से डिस्ट्रिक्ट लीड राजन सुनील नायर, युनुस खान, प्रांशु गुप्ता, एचएल/फपीपीटी से भोलेनाथ मिश्रा मौजूद रहे ।

प्रदेश में निर्धारित शिड्यूल के अनुसार हो सभी क्षेत्रों को निर्बाध विद्युत अपूर्ति – एके शर्मा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भीषण गर्मी और उमस के बीच प्रदेश की जनता को समस्या न हो, इसके लिए निर्धारित शिड्यूल के अनुरूप सभी क्षेत्रों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति देने के लिए नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को निर्देश दिय हैं। उन्होंने कहा कि शिड्यूल के अनुरूप विद्युत आपूर्ति के बीच होने वाली विद्युत् समस्या की भरपाई रोस्टर के दौरान अतिरिक्त अपूर्ति देकर पूरी की जाये। ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में 18:00 घण्टे, तहसील मुख्यालय स्तर पर 21:30 घण्टे व जनपद मुख्यालय स्तर पर 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति का शिड्यूल प्रदेश सरकार ने निर्धारित किया है, जिसे हर हाल में बनाए रखना है। किसी भी क्षेत्र में विद्युत् आपूर्ति के दौरान यदि कोई स्थानीय फाल्ट के कारण कुछ समय के लिए विद्युत आपूर्ति बाधित होती है, तो उसकी भरपाई रोस्टर कटौती के दौरान अतिरिक्त आपूर्ति देकर की जाये। उन्होंने कहा कि यदि किसी गांव में सुबह 06 से 09 बजे के बीच व अपरान्ह 12 से 03 बजे के बीच रोस्टिंग तय की गयी है और इसी दौरान सुबह 09 से 12 बजे के बीच स्थानीय फाल्ट के कारण 02 घण्टे विद्युत आपूर्ति बाधित होती है तो दोपहर 12 से 03 बजे के बीच में 02 घण्टे की अतिरिक्त विद्युत् आपूर्ति की व्यवस्था कर ली जाये।

विद्यालयों में छात्रवृत्ति हेतु प्रचार प्रसार के लिए कार्यशाला आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने जनपद में संचालित समस्त शिक्षण संस्थाओं व विद्यालयों के प्रबन्धक/ प्रधानाचार्य/ प्राचार्य को अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में शासन द्वारा पूर्वदशम् छात्रवृत्ति/ दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत प्रख्यापित नियमावली–2023 जारी की गयी है, जिसके व्यापक प्रचार–प्रसार व वर्ष 2024–25 में पूर्वदशम छात्रवृत्ति/ दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु 08 अगस्त 2024 को दोपहर 12.00 बजे कलेक्ट्रेट स्थिति प्रेक्षागृह में जनपद के समस्त शिक्षण संस्थाओं/विद्यालयों की कार्यशाला आयोजित की गयी है। उक्त के क्रम में निर्देशित किया है कि अनिवार्य रूप कार्यशाला में ससमय प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

उचित दर विक्रेता का दुकान लाइसेंस निरस्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला पूर्ति अधिकारी ने अवगत कराया है कि क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक, शाहगंज द्वारा 30 जुलाई 2024 को संदीप कुमार पुत्र सुभाषचन्द्र, उ0द0 विक्रेता ग्राम–लतीफपुर, वि0ख0 एवं तहसील–शाहगंज के दुकान का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रेता की उचित दर दुकान में कुल 30.90 कुं0 गेहूँ, 46.15 कुं0 चावल एवं 0.57 कुं0 चीनी का स्टॉक कम पाया गया, जिसके सम्बन्ध में पूछताछ करने पर विक्रेता द्वारा कोई समुचित उत्तर नहीं दिया गया। उक्त आशय की आख्या जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गयी, जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा उक्त कोटेदार के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3ध्7 के अंतर्गत अभियोग अभियोग पंजीकृत कराने का आदेश पारित किया गया।

युवक की हत्या में पिता–पुत्र को फंसाया, नहीं कर सके साबित कोर्ट ने दोनों को कर दिया बरी

मैनपुरी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में 20 साल पहले हुई युवक की हत्या के मामले में मंगलवार को सुनवाई हुई। मुकदमे में गांव के ही रहने वाले पिता–पुत्र आरोपी थे। कोर्ट ने दोनों को हत्या के आरोप से बरी कर दिया है। मुकदमे की सुनवाई एफटीसी द्वितीय भूलेराम के न्यायालय में हुई है। घटना कुर्रा थाना

क्षेत्र के तखरऊ गांव की है। गांव निवासी श्रीकिशन 19 अगस्त 2004 को गांव से गायब हो गया था। उसके नहीं मिलने पर उसके भाई ग्रीश नरायन ने गुमशुदगी थाना कुर्रा में दर्ज कराई थी। 22 अगस्त को श्रीकिशन का शव गांव के बाहर तखरऊ नहर पुल में बरामद हुआ। ग्रीश नरायन ने गांव के ही मुरारी तथा उनके पुत्र सुरेंद्र सिंह के खिलाफ श्रीकिशन की हत्या कर देने की रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस ने जांच करने के बाद चार्जशीट न्यायालय में भेज दी। मुकदमे की सुनवाई एफटीसी द्वितीय के जज भूलेराम के न्यायालय में हुई। गवाही के दौरान अभियोजन पक्ष के गवाह श्रीकिशन की हत्या में मुरारी और सुरेंद्र के खिलाफ लगाए गए हत्या के आरोप को साबित नहीं कर सके। एफटीसी द्वितीय भूलेराम ने आरोप साबित नहीं होने पर हत्या के आरोपी पिता पुत्र को बरी कर दिया है।

तीन बीडीओ ने नियमों का उल्लंघन कर निकाले 34 लाख का भुगतान

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में मनरेगा योजना के तहत हुए पक्के निर्माणों में इस्तेमाल किए गए मैटीरियल का गलत तरीके से भुगतान एक नहीं, तीन बीडीओ (ग्राम विकास अधिकारी) ने किया है। शिवराजपुर ब्लॉक के बीडीओ की ओर से हुए 21 लाख के गलत भुगतान की जांच हुई, तो कल्याणपुर और सरसौल ब्लॉक के बीडीओ की ओर से भी फर्जीवाड़ा किए जाने का खुलासा हुआ। सीडीओ के निर्देश पर उपायुक्त मनरेगा सुधा शुक्ला ने सभी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मनरेगा के गांवों में कराए गए पक्के निर्माणों का छह माह से बजट नहीं जारी किया गया था। शुक्रवार को निर्माण कार्यों का भुगतान करने के लिए 30 मिनट के लिए प्रदेशभर में मनरेगा का पोर्टल खोला गया। इसमें शासन का नियम था कि एक एफटीओ (फंड ट्रांसफर ऑर्डर) 1.50 लाख रुपये से ज्यादा का नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद भी शिवराजपुर ब्लॉक के बीडीओ ने बिल्हौर ब्लॉक में छह एफटीओ से करीब 21.36 लाख रुपये का भुगतान कर दिया था। बता दें शिवराजपुर के बीडीओ के पास तीन ब्लॉक का मनरेगा भुगतान का जिम्मा है। यह मामला प्रकाशित होने के बाद उपायुक्त मनरेगा ने जिले के 10 ब्लॉकों में जांच की। इसमें कल्याणपुर ब्लॉक के बीडीओ ने चार एफटीओ बनाकर 10.91 लाख और सरसौल ब्लॉक के बीडीओ ने एक एफटीओ लगाकर तीन लाख का भुगतान फर्मों को कर दिया। उपायुक्त मनरेगा सुधा शुक्ला ने बताया कि तीनों मामलों की जांच कराई जाएगी। जो भी दोषी होगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस जीप पर चढ़े दो ट्रक, दरोगा व चालक घायल हुए

इटावा, संवाददाता। आगरा–कानपुर नेशनल हाईवे पर सोमवार रात गश्त कर रही पुलिस की जीप पर एक के बाद एक दो ट्रक चढ़ गए। हादसे में जीप में बैठे चालक और दरोगा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों ट्रक के चालक घटना के बाद फरार हो गए। सीओ जसवंतनगर व यातायात प्रभारी नागेंद्र चौबे ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि रात करीब डेढ़ बजे थाना पुलिस की जीप नेशनल हाईवे पर गश्त कर रही थी। उसी दौरान इटावा से आगरा की ओर जा रहे दो ट्रकों ने मलाजनी गांव के पास टक्कर मारकर पुलिस जीप को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दुर्घटना में जीप में सवार थाना जसवंतनगर में तैनात उप निरीक्षक अवधेश कुमार सिंह और चालक सिपाही शीशपाल बुरी तरह घायल हो गए। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद दोनों ट्रक के चालक ट्रकों को आगरा की ओर भगा ले गए। दरोगा अवधेश कुमार सिंह को इलाज के लिए इटावा से कानपुर रेफर किया गया है। जानकारी मिलते ही सीओ नागेंद्र चौबे, प्रभारी निरीक्षक राम सहाय सिंह घटना स्थल पर पहुंच गए थे। उन्होंने बताया कि कांस्टेबल शीशपाल की तहरीर पर पुलिस ने दो ट्रकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

दोनों ट्रकों में अवैध सामग्री होने की आशंका

नेशनल हाईवे पर गस्त करने के दौरान दो ट्रकों ने पुलिस जीप में टक्कर मारकर घटना को अंजाम दिया। पुलिस आशंका जता रही है।

नजूल की संपत्ति कब्जाने का मामला, तीन अफसरों की टीम करेगी जांच

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में सिविल लाइंस स्थित नजूल की करोड़ों की जमीन पर कब्जा करने के प्रयास के आरोपी अवनीश दीक्षित समेत सभी आरोपियों की कुंडली खंगालने में पुलिस जुट गई है। पूरे मामले और आरोपियों की संपत्ति की जांच पुलिस किसी स्वतंत्र एजेंसी से करा सकती है। इसके अलावा जमीन की बरामद पॉवर ऑफ अटार्नी, अन्य दस्तावेजों की सत्यता और इनके महत्व की जांच भी कराएगी। जरूरत पड़ने पर एसआईटी भी गठित की जा सकती है। नजूल की जमीन पर कब्जा करने के प्रयास के मामले को लेकर पुलिस सक्रिय हो गई है। पुलिस मान रही है कि अवनीश दीक्षित इस प्रकरण में चेहरा मात्र है, असल में इसके पीछे कई सफेदपोश लोग और बिल्डर हैं। पूरे प्रकरण का पर्वेक्षण कर रहे एडिशनल पुलिस कमिश्नर हरीश चंदर ने बताया कि अवनीश दीक्षित के पास से बरामद जमीन की पॉवर ऑफ अटार्नी, एग्रीमेंट व अन्य दस्तावेजों की जांच कराई जा रही है। वर्तमान में आज की तिथि में इन दस्तावेजों का क्या महत्व है, इसकी जांच साइंटिफिक तरीके से कराई जा रही है। एक सवाल में उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जरूरत पड़ी तो एसआईटी गठित की जाएगी। साथ ही किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की संस्तुति की जाएगी। एडिशनल पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मामले में फरार आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजना प्राथमिकता है। एसीपी कोतवाली और चकेरी की अगुवाई में आठ थानों की फोर्स फरार आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। फरार आरोपियों की मोबाइल लोकेशन भी देखी जा रही है। इसके लिए सर्विलांस टीम को भी लगाया गया है। आरोपी अवनीश दीक्षित व अन्य आरोपियों की घेराबंदी भी पुलिस ने शुरू कर दी है। अंदरखाने से पुलिस ने अवनीश व अन्य आरोपियों की आय के स्रोत और संपत्तियों की जांच शुरू कर दी है। एक पुलिस अफसर का कहना है कि मामला बड़ा है, जरूरत हुई तो आयकर या ईडी को आरोपियों की अचल संपत्ति की जांच के लिए पत्र लिखा जाएगा।

अवनीश पर दर्ज पुराने सात मामलों की स्थिति खंगाल रही पुलिस

अवनीश दीक्षित के खिलाफ अब तक दर्ज सात मामलों की सूची भी पुलिस ने निकाल ली है। वर्ष 2017 में कर्नलगंज थाने में दर्ज धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार कर प्रयोग करने समेत कई धाराओं, इसी साल काकादेव थाने में हत्या का प्रयास, धोखाधड़ी समेत अन्य गंभीर धाराओं, बाबूपुरवा में छेड़छाड़, गालीगलौज, धमकी, हिंसा और संपत्ति क्षति का निवारण, धोखाधड़ी, धमकी, बलवा, चकेरी में मारपीट, गालीगलौज व धमकी, कोतवाली में मारपीट, गालीगलौज व धमकी की धारा में दर्ज मामले की विवेचना की स्थिति के बारे में पुलिस अफसर जानकारी करने में जुट गए हैं।

पंचायत में किसान और मिल अधिकारियों में नोकझोंक की चेतावनी

शामली, संवाददाता। बकाया गन्ना मूल्य भुगतान को लेकर खाप चौधरियों, सर्वखाप समन्वय किसान मंच द्वारा गन्ना समिति कार्यालय में पंचायत आयोजित की गई। बकाया भुगतान नहीं करने पर किसानों की मिल के अधिकारियों से नोकझोंक हुई। बाद में किसानों ने कहा कि यदि 30 अगस्त तक उनका बकाया गन्ना भुगतान नहीं किया गया तो वे एक सितंबर से शुगर मिल पर तालाबंदी कर देंगे। सोमवार को शामली गन्ना सहकारी समिति कार्यालय में खाप चौधरियों और सर्वखाप समन्वय किसान मंच के पदाधिकारियों की पंचायत हुई। पंचायत में त्रिवेणी चीनी मिल समूह के अधिकारियों को बुलाया गया। पंचायत में त्रिवेणी समूह के यूनिट हैड अनिल त्यागी के गैरहाजिरी में गन्ना महाप्रबंधक बलधारी सिंह, सतीश बालियान, उपमहाप्रबंधक दीपक राणा, करणपाल सरोहा आदि पहुंचे। मिल के अधिकारियों ने नया गन्ना भुगतान आगामी 15 अगस्त तक और वर्ष 2022–23 का बकाया गन्ना भुगतान आगामी 30 सितंबर तक करने की पेशकश रखी जिसे किसानों ने ठुकरा दिया। बाद में किसानों के कहने पर शामली चीनी मिल के अधिकारियों ने डीसीओ कार्यालय में पहुंचकर त्रिवेणी समूह के अधिकारियों से वार्ता की। दो चरणो में मिल अधिकारियों की घोषणा से किसान सहमत नहीं हुए। किसान पिछले साल के बकाया 214 करोड़ रुपये लेने की मांग पर अड़े थे। इस दौरान किसानों की मिल के अधिकारियों से तीखी नोकझोंक भी हुई। बाद में खाप चौधरियों और सर्व खाप किसान समन्वय मंच के अध्यक्ष संजीव चौधरी सिलावर ने कहा कि शामली मिल के अधिकारियो को दस अगस्त तक नया गन्ना भुगतान और 30 अगस्त तक पुराना संपूर्ण गन्ना भुगतान का समय दिया गया है। साफ कहा कि 30 अगस्त तक संपूर्ण भुगतान नहीं हुआ तो आगामी 31 अगस्त को शामली गन्ना सहकारी समिति में महापंचायत होगी। एक सितंबर को शामली चीनी मिल पर तालाबंदी की जाएगी।

पंचायत में डीसीओ रणजीत सिंह कुशवाहा, शोकेंद्र भैसवाल, श्याम सिंह बहावड़ी थांबेदार, संजीव हसनपुर थांबेदार, रविंद्र सिंह लांक थांबेदार, ऋषिपाल सिंह राठी थांबेदार करोड़ी, जयपाल सिह कसेरवा, नितिन वर्मा, रणपाल सिह, ओमकुमार कुड़ाना, महक सिंह, सुरेंद्र आर्य, कवरपाल हसनपुर, सुधीर बनत, विनोद, राजवीर सिंह मौजूद रहे। पंचायत की अध्यक्षता चेनपाल सिंह खंदरावली और संचालन यशपाल सिंह शेखपुरा की ओर से किया गया।

हर बार आश्वासन मिलता है

किसानों ने पंचायत में कहा कि उन्हें हर बार मिल प्रशासन की ओर से जल्द बकाया भुगतान करने का आश्वासन दिया जाता है। मगर भुगतान नहीं किया जाता, जिसके कारण किसानों को आर्थिक परेशानी का भी सामना करना पड़ रहा है।

हाईवे पर क्रेटा गाड़ी ने कांवड़िया को मारी टक्कर, जमकर की तोड़फोड़

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के कंकरखेड़ा में नेशनल हाईवे 58 पर क्रेटा गाड़ी ने सड़क पार कर रहे एक कांवड़िये को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में कांवड़िया चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद कांवड़ियों ने हाइवे पर जमकर उत्पात मचा दिया। वही गाड़ी में जमकर तोड़फोड़ की। सूचना पर तीन थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने किसी तरह मामले को शांत कर कांवड़ियों को आगे के लिए रवाना किया। हाईवे स्थित डाबका गांव के सामने क्रेटा गाड़ी से सड़क पार कर रहे एक कांवड़िये को जोरदार टक्कर लग गई। गाजियाबाद निवासी हरिहर सिंह पुत्र राज सिंह अपने साथियों के साथ कांवड़ लेकर गाजियाबाद जा रहा था। इसी बीच वह दोपहर के समय विश्राम करने के लिए डाबका कट के सामने बने शिविर में रुक गया था। कांवड़िया सड़क पार कर कुछ सामान लेने के लिए दुकान पर जा रहा था। इसी बीच मुजफ्फरनगर की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार क्रेटा गाड़ी ने कांवड़िये को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कांवड़िया उछलकर सड़क पर जा गिरा। गाड़ी की टक्कर से कांवड़िया के पैर में चोट लग गई। टक्कर लगने के बाद मौके पर सैकड़ो की संख्या में कांवड़िया इकट्ठे हो गए। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक गाड़ी लेकर भागने लगा। जिसके बाद कांवड़ियों ने घेरकर गाड़ी को रोक लिया। गुस्साए कांवड़ियों ने गाड़ी में लाठी डंडों से हमला कर दिया और गाड़ी में जमकर तोड़फोड़ की। घटना के दौरान हाइवे पर जाम की स्थिति बन गई। वहीं हाईवे पर अफरा–तफरी का माहौल हो गया। हंगामा की सूचना पर सीओ दौराला शुचिता सिंह व अन्य अधिकारियों के नेतृत्व में तीन स्थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और किसी तरह कांवड़ियों को समझने का प्रयास किया। पुलिस ने घायल कांवड़िया को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं आरोपी चालक को लेकर थाने आ गई। चालक की पहचान गौरव के रूप में हुई है।

आधे घंटे रहा हाईवे पर कब्जा

क्रेटा गाड़ी से टक्कर लगने के बाद कांवड़िया घायल होकर गिर गया था। कांवड़ियों ने हाइवे पर उत्पात मचाना शुरू कर दिया। इस दौरान लगभग आधे घंटे तक हाइवे पर दोनों तरफ कब्जा रखा। कांवड़ियों के रूद्र रूप को देखकर अन्य राहगीरों ने अपने वाहन पीछे ही खड़े कर लिए। वहीं कुछ राहगीर वाहनों से निकलकर हाईवे पर खड़े हो गए। हंगामा के बाद हाईवे पर लगे जाम को खुलवाने में पुलिस को लगभग एक घंटे से अधिक का समय लगा। पुलिस ने जाम खुलवाकर राहगीरों को गंतव्य के लिए रवाना किया।

प्रेस क्लब का पूर्व अध्यक्ष भेजा गया जेल, डीवीआर की तलाश में घर पर दबिश

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में सिविल लाइंस स्थित नजूल की करीब एक हजार करोड़ रुपये की जमीन पर कब्जे के प्रयास के मामले में प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित को जेल भेज दिया गया है। वहीं, 12 नामजद और अन्य आरोपियों की तलाश में दो एसीपी की अगुवाई में आठ थानों की फोर्स ने कानपुर से उन्नाव तक दबिश दीं। गायब की गई डीवीआर की बरामदगी के लिए अवनीश दीक्षित के किदवईनगर ए ब्लॉक स्थित आवास पर दबिश देकर छानबीन की गई। हालांकि पुलिस को न तो डीवीआर मिली और और न ही कोई आरोपी। क्राइम ब्रांच की भी एक टीम लगाई गई है। सिविल लाइंस हडर्ड चौराहा के पास स्थित जमीन पर कब्जा करने के लिए रविवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे कुछ लोग पहुंचे थे। कमरों में ताला डालने के साथ ही विवाद की स्थिति पैदा हो गई थी। परिसर में रह रहे लोगों की सूचना पर डीसीपी पूर्वी एसके सिंह, एडीएम, एसडीएम समेत तमाम पुलिस व प्रशासनिक अफसर भारी फोर्स के साथ पहुंचे थे। अफसरों और पुलिस को देख कब्जा करने पहुंचे लोग भाग निकले थे। मामले में तहसील सदर के लेखपाल विपिन कुमार ने कोतवाली थाने में तहरीर दी थी। आरोप लगाया था कि उनके क्षेत्र में नजूल भूखंडों (ब्लक–15, भूखंड सं–69, 69ए 69बी) पर कब्जे का प्रयास किया गया। आरोपी वहां लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर भी ले गए। इस मामले में हरेंद्र मसीह, राहुल वर्मा, मौरिस एरियल, कमला एरियल, अभिषेक एरियल, अर्पण एरियल, अवनीश दीक्षित, जीतेश झा, मोहित बाजपेई, संदीप, विक्की चार्ल्स, अब्बास, जितेंद्र के अलावा 20 अज्ञात के खिलाफ दो एफआईआर कोतवाली थाने में दर्ज की गईं थीं।

फरार आरोपियों की तलाश में दबिशें दे रही हैं टीमें

एक एफआईआर लेखपाल और वहां रहने वाले सैमुअल गुरुदेव सिंह ने दर्ज कराई थी। रात में ही पुलिस ने अवनीश दीक्षित को गिरफ्तार कर लिया था और सोमवार तड़के जेल भेज दिया। इसके बाद पुलिस ने फरार नामजद व 20 अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसीपी चकेरी दिलीप कुमार और एसीपी कोतवाली आशुतोष कुमार की अगुवाई में आठ थानों की फोर्स ने एक साथ हरबंशमोहाल, रेलबाजार, कलक्टरगंज, चकेरी, कोतवाली, हरबंश मोहाल के अलावा शुक्लागंज और उन्नाव में दबिश दीं। डीसीपी श्रवण कुमार सिंह का कहना है कि पुलिस की आठ टीमें लगातार फरार आरोपियों की तलाश में दबिशें दे रही हैं।

पर्दे के पीछे के सफेदपोश लोगों की भी खोजबीन शुरू

पुलिस का मानना है कि नजूल की करोड़ों की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश के मामले में अवनीश दीक्षित के अलावा कई और लोग हैं, जो पर्दे के पीछे से खेल में शामिल हैं। इसमें शहर के नामचीन सफेदपोश, कुछ अधिवक्ता और बिल्डर हैं। पुलिस इस मामले के जरिये भू–माफियाओं और पत्रकारिता की आड़ में जमीनों का खेल करने वाले कथित पत्रकारों तक पहुंचने की तैयारी कर रही है। पुलिस ने ऐसे भूमाफियाओं और कथित पत्रकारों को अपनी सूची में शामिल किया है।

निचली अदालत से जमानत अर्जी खारिज

सैमुअल गुरुदेव सिंह की तरफ से डकैती, पांच लाख रुपये रंगदारी मांगने, छेड़छाड़ व अन्य धाराओं में दर्ज कराए गए मामले में आरोपी अवनीश दीक्षित की जमानत अर्जी सोमवार को निचली अदालत ने खारिज कर दी। अवनीश दीक्षित के अधिवक्ता शिवाकांत दीक्षित का कहना है कि जल्द ही सेशन कोर्ट में जमानत की अर्जी दाखिल करेंगे। उनका कहना है कि जिस तरह से भारी फोर्स के साथ पुलिस अफसरों ने अवनीश के घर में दबिश दी, उससे भय का माहौल बनाया जा रहा है।

अवनीश पर दर्ज पुराने सात मामलों की स्थिति खंगाल रही पुलिस

अवनीश दीक्षित के खिलाफ अब तक दर्ज सात मामलों की सूची भी पुलिस ने निकाल ली है। वर्ष 2017 में कर्नलगंज थाने में दर्ज धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार कर प्रयोग करने समेत कई धाराओं, इसी साल काकादेव थाने में हत्या का प्रयास, धोखाधड़ी समेत अन्य गंभीर धाराओं, बाबूपुरवा में छेड़छाड़, गालीगलौज, धमकी, हिंसा और संपत्ति क्षति का निवारण, धोखाधड़ी, धमकी, बलवा, चकेरी में मारपीट, गालीगलौज व धमकी, कोतवाली में मारपीट, गालीगलौज व धमकी की धारा में दर्ज मामले की विवेचना की स्थिति के बारे में पुलिस अफसर जानकारी करने में जुट गए हैं।

जमीन पर कब्जा करने के प्रयास का आरोपी सिविल लाइंस निवासी राहुल वर्मा समाजवादी छात्रसभा का महानगर अध्यक्ष बताया जा रहा है। पुलिस ने उसकी तलाश में सिविल लाइंस बाबाघाट स्थित घर में दबिश दी, लेकिन वह मिला नहीं। हालांकि राहुल छात्र सभा का महानगर अध्यक्ष है या नहीं इस मामले में पार्टी के नेता चुप्पी साधे हैं। बाकी आरोपियों के बारे में पुलिस छानबीन कर रही है।

केंद्रीय विद्यालय में चक्कर खाकर गिरे 33 बच्चे

एटा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के एटा में मंगलवार को केंद्रीय विद्यालय में एक–एक करके 33 विद्यार्थी चक्कर खाकर गिरे। जानकारी मिली तो प्रशासनिक अधिकारियों के हाथ–पांव फूल गए। सभी को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। साथ ही डीएम ने स्वास्थ्य टीम को कॉलेज भेजा। स्वास्थ्य टीम ने कॉलेज पहुंचकर 119 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जरूरत के अनुसार उनको दवाएं दीं। डीएम प्रेम रंजन सिंह के साथ मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. रजनी पटेल व डॉ. राहुल वार्ष्णेय सहित अन्य चिकित्सक केंद्रीय विद्यालय पहुंचे। वहीं सीएमओ स्तर से दो टीमें गईं। इसके अलावा सकीट सीएचसी से प्रभारी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी भेजे गए। चिकित्सकों ने बताया कि धूप में विद्यार्थी व्यायाम कर रहे थे। इन दिनों उमस भरी गर्मी पड़ रही है। पसीना निकल रहा है। पसीने के साथ सोडियम क्लोराइड निकल जाता है। ऐसे में दिक्कत हो जाती है। डिहाइड्रेशन की स्थिति में चक्कर आना, कमजोरी आदि प्रमुख रहते हैं।

संक्षिप्त खबरें

शिवालयों में उमड़े शिवभक्त, एक लाख शिवलिंगों का निर्माण

बांदा, संवाददाता। सावन के दूसरे सोमवार को भोर पहर से ही श्रद्धालु शहर के बामदेवेश्वर पर्वत में शिव दर्शन और अभिषेक के पहुंचे। श्रद्धालु पर्वत के नीचे से लेकर ऊपर तक कतार में खड़े रहे। सावन के दूसरे सोमवार को शहर के बामदेवेश्वर पर्वत पर विराजमान भगवान शिव का लाखों श्रद्धालुओं ने दर्शन और अभिषेक किया। भोर से ही श्रद्धालुओं का आवागमन शुरू हो गया था। मंदिर परिसर में सुरक्षा के लिहाज से पुलिस फोर्स तैनात रही। मंदिर के अंदर सुरेश, प्रकाश, नीरज, पवन, पुत्तन तिवारी, सचिन, रिंकू, प्रमोद तिवारी आदि ने भक्तों को शिवदर्शन कराए। इधर, महेश्वरी देवी आरती मंडल की ओर से सोमवार को मंदिर परिसर में 111001 लाख पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कराया गया। शिवलिंगों का जल, दूध, दही व पंचामृत से अभिषेक हुआ। मंदिर के मुख्य पुजारी शिल्लू अवस्थी ने बताया कि मंदिर प्रांगण में प्रतिवर्ष सवा लाख पार्थिव शिव लिंग का निर्माण कराया जाता है। अबकी बार रुद्र यज्ञ भी किया जा रहा है। भगवान शिव पार्वती झांकियां, हनुमान लीला राधाकृष्ण मंचन कार्यक्रम का शाम को आयोजन होगा। मंगलवार दोपहर शिवलिंगों को केन नदी में विसर्जित किया जाएगा।

स्मार्ट फोन से वंचित छात्रों ने जताया विरोध

बांदा, संवाददाता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले एकलव्य महाविद्यालय के छात्रों ने सोमवार को कलक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। कहा कि उनका डाटा ब्लाक होने की बात कहकर प्राचार्य स्मार्ट फोन नहीं दे रहे हैं। इससे शासन की योजना से स्नातक छात्र वंचित हो रहे हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग संयोजक नितीश निगम की अगुवाई में छात्रों ने कहा कि एकलव्य महाविद्यालय के स्नातक छात्रों को अभी तक स्मार्ट फोन नहीं दिए गए। उधर प्राचार्य डॉ.प्रकाश निषाद का कहना है कि विद्यार्थियों का डाटा ब्लॉक हो गया है। विकास भवन व शासन से ही कुछ हो सकता है। इस मौके पर आशीष पांडेय, सुभाष त्रिपाठी, अनुज कुमार, अंकित गुप्ता, मनीष वर्मा, विपिन सिंह, सौरभ चौरसिया, सत्येंद्र शर्मा, रजत त्रिवेदी, विवेक यादव, अर्पित आदि छात्रों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा और आंदोलन की चेतावनी दी।

नशीला पाउडर रखने के दोषी को एक वर्ष की सजा

बांदा, संवाददाता। बांदा। स्मैक व डाइजापाम पाउडर रखने के मामले में दोषी को अपर सत्र न्यायाधीश पंचम गुणेंद्र प्रकाश की अदालत ने एक वर्ष की सजा से दंडित किया। पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा न करने पर 15 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। कोतवाली नगर के तत्कालीन एसआई महेंद्र अपने हमराहियों के साथ 9 जून 2012 को वांछित अपराधी व गश्त में निकले थे। तभी किलेदार पुरवा के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को रोक कर उसकी तलाशी ली गई। उसके पास से 38 ग्राम स्मैक व डाइजापाम पाउडर बरामद हुआ। उसने अपना नाम शिवप्रसाद उर्फ बउवा निवासी किलेदार का पुरवा बताया। दोषी के खिलाफ मामला दर्ज करके उसे जेल भेज दिया गया। मामले का आरोप पत्र विवेचक कासिम अली ने न्यायालय में पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से चार गवाह पेश किए गए। पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्य व अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने उसे सजा व जुर्माना से दंडित किया।

35 फीट ऊंची कांवड़ हाईटेंशन लाइन से टकराई

मेरठ, संवाददाता। मेरठ में बागपत फ्लाईओवर पर डीजे कावड़ हाईटेंशन लाइन से टकरा गई, इससे कई कांवड़िए झुलस गए। कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। बताया गया कि दिल्ली निवासी शिवभक्त हरिद्वार से कांवड़ लेकर दिल्ली की ओर जा रहे थे। बागपत फ्लाईओवर के निकट उनकी कांवड़ हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। जानकारी के अनुसार दिल्ली के शालीमार बाग हैदरपुर से 14 कांवड़िए हरिद्वार से 35 फीट ऊंची कांवड़ लेकर आ रहे थे। बागपत फ्लाईओवर पर कांवड़ ऊपर हाइटेंशन लाइन से टकरा गई। इसके बाद तेज धमाका हुआ और कांवड़ में आग लग गई। हादसे में सात कांवड़िया झुलस गए। पुलिस और लोगों ने कांवड़ में लगी आग बुझाई और झुलसे कांवड़ियों को सुभारती अस्पताल में भर्ती कराया गया। कांवड़ हाईटेंशन लाइन से टकराने की सूचना मिलने के बाद डीएम एसएसपी और कई थानों का पुलिस–फोर्स मौके पर पहुंची। एसएसपी डॉक्टर विपिन ताडा ने बताया कि सभी कांवड़ियों की हालत खतरे से बाहर है। मामूली रूप से झुलसे हैं। गनीमत रही की कांवड़ लकड़ी की थी, अन्यथा गंभीर हादसा हो सकता था।

चोर को बंधक बनाकर पीटा

शामली, संवाददाता। शामली जनपद के थानाभवन क्षेत्र में व्यापारी निखिल के यहां से बीड़ी का बंडल चोरी करने वाले आरोपी की खूब पिटाई की गई। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले की जांच कराने की बात कहीं है। दरअसल, थाना भवन में किरयाणा व्यापारी निखिल मित्तल के यहां से एक युवक ने डेढ़ लाख रुपये के बीडी के बंडल चोरी करलिए थे। पकड़े गए आरोपी को बंधक बनाकर खूब लात और घुसों से पीटा गया। हालांकि, आरोपी को पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस का कहना है कि पिटाई की जानकारी नहीं है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।